RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 06 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 18 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विशेष...

केदारनाथ में बड़ा हादसा

गुप्तकाशी से निकला हेलिकॉप्टर गरूड़चट्टी में क्रैश, 7 की मौत

देहरादून (एजेंसी)। केदारनाथ में मंगलवार सुबह हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। यह हादसा केदारनाथ से 2 किमी दूर गरुड़चट्टी में हुआ है। हेलिकॉप्टर ने गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी। खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर क्रैश होने की बात कही जा रही है। इस हादसे में पायलट समेत 7 लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने हेलिकॉप्टर क्रैश में पायलट समेत 7 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हेलिकॉप्टर आर्यन कंपनी का था। हेलिकॉप्टर ने गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे। केदारघाटी की तरफ जब ये हेलिकॉप्टर आगे बढ़ा तो मौसम बगिड़ा और गरुड़चट्टी में क्रैश हो गया है। जमीन पर गिरने के साथ ही हेलिकॉप्टर आग की चपेट में आ गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। शुरुआती जांच में पता चला है कि फॉग की वजह से हादसा हुआ। पहले हेलिकॉप्टर टकराया इसके बाद उसमें ब्लास्ट हो गया।

कानपुर यूनिवर्सिटी में रैगिंग के आरोप में 7 छात्र हुए सस्पेंड

कानपुर। कानपुर यूनिवर्सिटी के शिवाजी ब्वायज़ हॉस्टल में रह रहे इंजीनियरिंग फर्स्ट ईयर के छात्र लगातार सीनियर छात्रों की रैगिंग से परेशान थे। छात्रों ने इस संबंध में यूनिवर्सिटी प्रशासन को लिखित शिकायत दी जिसके बाद कुलपति ने 7 आरोपी छात्रों को सस्पेंड कर दिया। छात्रों पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया।

रैगिंग का हालिया मामला शिवाजी ब्वायज़ हॉस्टल का है जहां इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष के छात्र लगातार सीनियर छात्रों की रैगिंग से परेशान थे। इन छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को लिखित शिकायत भी दी जिसके बाद कुलपति ने 7 आरोपी छात्रों पर सख्त कार्यवाई की।

यूनिवर्सिटी ने जांच में रैगिंग की घटनाओं को सही पाया और आरोपी छात्रों पर एक साल के निलंबन और 50 हजार के जुर्माने का आदेश दिया। अब इन छात्रों से हॉस्टल भी खाली कराया जा रहा है। कुलसचिव डा. अनिल ने बताया है कि शिकायत मिलने के बाद जांच की गई जिसकी रिपोर्ट मिलने के बाद दोषी छात्रों को निलंबित किया गया है। यह पहला मौका है कि जब सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में रैगिंग के प्रकरण में छात्रों का निलंबन, आर्थिक दंड व छात्रावास खाली कराने की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में भी अब होगी कवच से ट्रेनों की निगरानी

2164 किलोमीटर ट्रैक के लिए कवच को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर/रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी अब कवच प्रणाली से ट्रेनों की निगरानी होगी। इसके लिए सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा चीफसिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर एसके सोलंकी ने 20 अधिकारी व 50 कर्मचारियों की उपस्थिति में कवच (ट्रेन कुलीजन एवोइडेंस सिस्टम) की जानकारी दी। इस दौरान कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा एटीपी प्रणाली पर एक प्रेजेंटेशन भी दिया गया जिसके माध्यम से बताया गया कि यह प्रणाली कैसे काम करती है। यह प्रणाली रेलवे यात्रीयों की सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

बता दें भारतीय रेलवे ने चलती हुई ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवच नामक एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली विकसित की है । यह पूर्ण रूप से स्वदेशी तकनीक है और ट्रेनों के संचालन की हर पल निगरानी करती है। यह प्रणाली सिग्नल एवं स्पीड से संबन्धित दुर्घटनाओं को रोकने में पूर्णतया सक्षम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 2164 किमी के लिए कवच प्रणाली को रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया जा चुका है और सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा पहले चरण में नागपुर से झारसुगुड़ा (615 किमी.) खण्ड में सर्वे का कार्य आरंभ किया जा चुका है। इस प्रणाली को पूरी तरह से स्थापित करने में करीब 3 वर्ष लगेंगे।

अभी स्टेशन मास्टर व लोको पायलट करते हैं संचालन

विधित है कि ट्रेनों का संचालन मुख्यतया स्टेशन मास्टर एवं ट्रेन ड्राइवरों द्वारा किया जाता है । अत: ट्रेनों की सुरक्षा की सर्वाधिक ज़िम्मेदारी स्टेशन मास्टर एवं ट्रेन ड्राइवरों पर है। स्टेशन मास्टर से ट्रेनों के परिचालन में कोई गलती न हो यह सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा सिस्टम की इंटरलोकिंग द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। किन्तु ट्रेन ड्राइवरों के पास अब तक कोई ऐसी विश्वसनीय मदद नहीं थी।

कवच से कंट्रोल होंगे ट्रेन

कवच (ट्रेन कुलीजन एवोइडेंस सिस्टम) प्रणाली ट्रेन ड्राइवरों की मदद के लिए एक विश्वसनीय साथी है। ड्राइवर कहीं स्पीड कंट्रोल करना या ब्रेक लगाना भूल जाता है तो कवच प्रणाली ब्रेक इंटरफेस यूनिट द्वारा ट्रेन को स्वचालित रूप से कंट्रोल कर लेती है । यह प्रणाली ड्राइवर के केबिन में लाइन-साइड सिग्नल के आस्पेक्ट को दोहराती है । जिससे घने कोहरे, बरसात जैसे कठोर मौसम के दौरान भी ट्रेन संचालन की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित होगी। यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है, तो भी यह प्रणाली स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर ट्रेन की गति को नियंत्रित करने में मदद करती है। यह प्रणाली संचालन प्राधिकरण (मूविंग ओथोरिटी) के सिद्धांत पर काम करती है और लोको को सीधे टकराव से बचने में, लोको में स्थित संचार माध्यम द्वारा, सक्षम बनाती है।

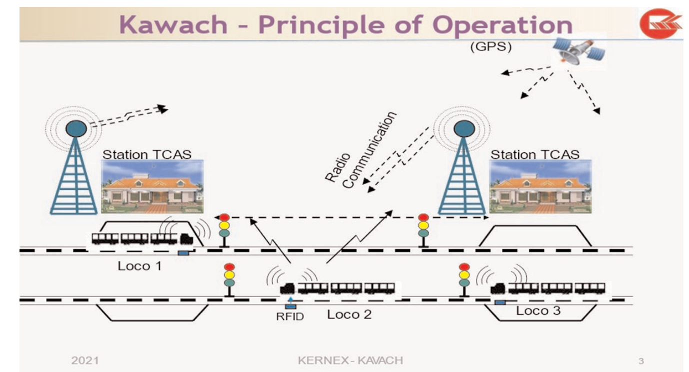

समपार फाटकों पर ऑटो सीटी बजाना और विषम परिस्थितियों में अन्य ट्रेनों को नियंत्रित एवं सावधान करने के लिए ऑटो मेनुअल एसओएस प्रणाली को तुरंत सक्रिय करना इसकी विशेषता है। इससे आसपास के क्षेत्र में सभी ट्रेनों का संचालन तुरंत रुक जाता है। इस प्रणाली में पूरे सेक्शन में विश्वसनीय वायरलेस कम्यूनिकेशन स्थापित किया जाता है तथा सभी स्टेशनों व सभी इंजनों में डिवाइस लगाई जाती है जिससे ट्रेन का इंजन सम्पूर्ण ट्रैक में लगे हुए रेडियो फ्रिक्वेन्सी टैग द्वारा ट्रैक व सिग्नल से संबन्धित विवरण प्राप्त करता है। इंजन में स्थित डिवाइस (लोको यूनिट) स्टेशन के इंटर्लोकिंग सिस्टम, सिग्नल के निर्देश और समपार फाटकों से विवरण लेती है और कंप्यूटरीक्रत प्रणाली के निर्देशानुसार ट्रेन का संचालन सुरक्षित गति में करती है।

तहसील बनने के बाद भी खुश नहीं हैं लोग देवरीबंगला के नाम पर तहसील की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांव की जनता के लिए आसानी से राजस्व सेवाएं देने नई तहसीलों का गठन किया। सोमवार सीएम भूपेश बघेन ने 25 नई तहसीलों का उद्घाटन वर्चुअल माध्यम से किया। इसके साथ ही नए तहसील आस्तित्व में आ गए। सीएम बघेल ने जिन तहसीलों का उद्घाटन किया उनमें बालोद जिले के डौंडी लोहारा व गुंडरदेही विधानसभा के 96 गांवों के साथ जिले की 7वीं तहसील मार्री बंगला-देवरी भी शामिल है। लेकिन इस तहसील के बनने के बाद विवाद शुरू हो गया है।

दरअसल इस तहसील के नामकरण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया है। सोमवार को उद्घाटन के बाद से ही ग्रामीण विरोध में जुटने लगे। दोपहर बाद से गांव के लोग सड़क पर उतर आए। विरोध प्रदर्शन करने वाले देवरीबंगला के लोग हैं। देवरीबंगला के ग्रामीण उप तहसील के सामने धरने पर बैठ गए। स्टेट हाईवे पर पर चक्काजाम भी कर दिया गया। ग्रामीणों की मांग है कि पूर्ण तहसील का नाम देवरीबंगला होना चाहिए न कि मार्री बंगला-देवरी।

ग्रामीणों का कहना है कि देवरीबंगला को 1999 में उपतहसील का दर्जा मिला था। यहां सरकारी कर्मचारी भी पदस्थ किए गए और भवन भी बनाया गया। अब जब पूर्ण तहसील की बात आई मार्री बंगला-देवरी बना दिया गया। जिसे तहसील बनाया गया है वहां शासकीय स्कूल व ग्राम पंचायत के अलावा कोई शासकीय कार्यालय नहीं है। वहीं देवरीबंगला में पुलिस थाना, पटवारी हल्का, राजस्व निरीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोस्ट ऑफिस, पशु औषधालय, तीन बैंक, नलकूप निर्माण इकाई, धान खरीदी केंद्र सहित सभी शासकीय कार्यालय उपलब्ध है। नियमानुसार पूर्ण तहसील का नाम देवरीबंगला ही होना चाहिए।

कलेक्टर रानू साहू के मायके तक पहुंची ईडी गरियाबंद के पाण्डुका में सुबह दी है दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ कलेक्टर रानू साहू के सरकारी बंगले के बाद अब ईडी की टीम उसके मायके तक पहुंच गई है। ईडी की टीम ने मंगलवार सुबह 5 बजे से गरियाबंद जिले के पाण्डुका में कलेक्टर रानू साहू के बंगले में डटी हुई है। जांच अधिकारी रानू साहू के मायके में जांच कर रहे हैं। इस कार्रवाई से रायगढ़ से लेकर राजधानी तक हड़कंप मचा हुआ है।

बता दें रायगढ़ कलेक्टर रानू साहू ईडी के निशाने पर हैं। ईडी ने कलेक्टर के रायगढ़ स्थित सरकारी बंगले में भी जांच की थी और अब ईडी उनके मायके तक पहुंच गई है। ईडी के 12 अधिकारियों की टीम गरियाबंद के पाण्डुका पहुंची हैं। पाण्डुका कलेक्टर का मायका है और यहां पर ईडी कई घरों की जांच कर रही है।

ईडी की टीम ने सुबह 5 बजे पाण्डुका में है। यहां पर जिला पंचायत सदस्य और कलेक्टर रानू साहू की मां लक्ष्मी साहू और उनके चचेरे भाई कांग्रेस नेता शैलेंद्र साहू के घर पर रेड की है। ईडी यहां दस्तावेतों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कलेक्टर रानू साहू के मायके में इनके पास गांव में बड़ी संपत्ति है और इसी जांच की जा रही है।

इससे पहले ईडी ने रानू साहू के बंगले पर रेड की थी। उस दौरान वे जिले में मौजूद नहीं थी। 12 अक्टूबर को वापस लौटने के बाद कलेक्टर रानू साहू ने ईडी को पत्र लिखकर कार्रवाई में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया था।

रेलवे ने 22 ट्रेनों का टाइम टेबल बदला, अब समय पर पहुंचेंगी यह गाडिय़ां, यात्रियों को दी बड़ी राहत

बिलासपुर। त्योहारी सीजन में रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए 22 ट्रेनों के टाइम टेबल में आंशिक परिवर्तन किया है। लगातार विलंब और ट्रेन कैंसिल होने से परेशान यात्रियों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर रेलवे स्टेशन में 22 ट्रेनें अब 25 अक्टूबर से बदले हुए समय पर पहुंचेंगी। अफसरों का दावा है कि टाइम टेबल में नए बदलाव से समय की बचत होगी और गाडिय़ां समय पर चलेंगी। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में ट्रेन कैंसिल और रेलवे के निर्माण कार्यों के कारण यात्री लंबे समय से ट्रेनों के लेतलतीफी से परेशान हैं। ऐसे में आने वाले दिवाली त्योहार और छठ पूजा को देखते हुए यह बड़ा फैसला लिया गया है। पहले भी रेलवे ने ट्रेनों के टाइम टेबल में आंशिक फेरबदल किया था, तब बिलासपुर जोनल स्टेशन में पहुंचने वाली अधिकांश गाडिय़ों का समय यथावत रखा था। इनमें अप व डाउन दोनों दिशाओं की ट्रेनें शामिल थीं। लेकिन, इस व्यवस्था से ट्रेनों की लेटलतीफी की समस्या दूर नहीं हुई। यही वजह है कि रेलवे ने जोनल स्टेशन में 22 ट्रेनों के समय में 25 अक्टूबर से आंशिक बदलाव करने का फैसला लिया है। अब ये गाडिय़ां बदली हुई समय पर बिलासपुर स्टेशन पहुंचेगी।

सरकारी कार्ड में श्रीमान की जगह छपा श्रीमती, मचा बवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। श्रीमान की जगह श्रीमती कार्ड में छपकर आते ही जमकर बवाल मच गया। सरकारी आयोजन में हुई इस बड़ी गलती की सजा प्रूफ रीडिंग करने वाले कर्मचारी को अपने निलंबन से मिली। राजनांदगांव में स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 17 अक्टूबर से 22 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। प्रतियोगिता के आमंत्रण कार्ड में अंत्यावसायी विकास निगम के अध्यक्ष धनेश पाटिला के नाम के सामने श्रीमती छाप दिया गया था। कार्यक्रम के दौरान आमंत्रण कार्ड पर अतिथियों की नजर गई तब इस पर आपत्ति हुई।

राजनांदगांव डीईओ राजेश सिंह ने आमंत्रण कार्ड की प्रूफरीडिंग नहीं किए जाने पर इस प्रतियोगिता के आयोजक रणविजय प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है। इस बात की जानकारी होने पर कलेक्टर डोमन सिंह ने भी नाराजगी जताई कि ऐसे आयोजनों के आमंत्रण कार्ड को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

कलेक्टर डोमन सिंह ने बताया कि इस मामले में शिक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई की गई है। दरअसल आमंत्रण पर आए अतिथियों ने इस गलती पर नाराजगी जताई। इसके चलते आयोजकों की खूब किरकिरी हुई। इधर, डीईओ ने बताया कि आमंत्रण कार्ड छपवाने में हड़बड़ी में गड़बड़ी हुई है। खेलकूद की शुरुआत हो चुकी है। संभागों की टीम ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है।

रसोई गैस सिलिंडर का भी कोटा तय

श्रीकंचनपथ

केन्द्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस सिलिंडरों का कोटा तय कर दिया है। अप्रैल माह से इसकी गिनती शुरू भी कर दी गई है। साल में अब किसी भी परिवार को 15 से ज्यादा सिलिंडर नहीं मिलेंगे. किसी एक महीने में दो से ज्यादा सिलिंडर बुक नहीं किया जा सकेंगे। परिवार बड़ा होने या गैस सिलिंडर की खपत ज्यादा होने पर विशेष अनुमति के तहत अतिरिक्त सिलिंडर लिये जा सकेंगे। विशेष अवसरों के लिए लोगों को कमर्शियल गैस सिलिंडर लेना होगा। दरअसल शहरी परिवारों के लिए 15 सिलिंडर भी ज्यादा ही है। उनके यहां एक सिलिंडर डेढ़ दो महीना चल जाता है। इसके कई कारण हैं। आज अधिकांश लोगों के यहां इंडक्शन का भी उपयोग होता है। शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक अवन और माइक्रोवेव का भी उपयोग होता है। तो फिर घरेलू गैस के सिलिंडर जाते कहां हैं? इनका उपयोग चोरी-छिपे कमर्शियल कार्यों में किया जाता है. इडली दोसा, समोसा पोहा बेचने वाले ठेलों में छिपाकर घरेलू गैस सिलिंडर का उपयोग करते हैं। शादी ब्याह की पार्टी में भी कैटरर सिलिंडर कस्टमर से ही मांगता है। लोग पास पड़ोस से घरेलू गैस सिलिंडर की व्यवस्था कर लेते हैं। कायदे से ऐसे आयोजनों में कमर्शियल सिलिंडर का उपयोग किया जाना चाहिए। कुछ लोग घरेलू कुकिंग गैस का उपयोग वाहन में ईंधन की तरह करते हैं। लोग दो तीन सिलिंडर गैस कार की टंकी में डलवा लेते हैं। यह सस्ता पड़ता है। किचन में अब खाना कम ही बनता है। लोगों की खुराक भी कम हो चुकी है। 8-10 रोटियां खाने वाले युवाओं की संख्या अब अंगुलियों पर गिनी जा सकती है। उच्च मध्यमवर्ग तो प्रोटीन शेक और सप्लीमेंट पीकर काम चला रहा है। आधुनिक परिवारों में अब रात का खाना स्विगी और जोमैटो से आता है। घर पर केवल चावल ही पकाया जाता है। रोटी बनाने की कला विलुप्त होने की कगार पर है। इसकी मशीनें आने लगी हैं जो बिजली से चलती हैं। शहरी पढ़ी लिखी आबादी के लिए पराठा जहर है। सुबह के नाश्ते में लोग ब्रेड चबाते हैं और शाम को नाश्ता बाहर से करते हैं। नूडल्स दो मिनट में बन जाते हैं। ऐसे में रसोई सिलिंडरों का कोटा तो तय होना ही था। इस सरकार का आदर्श वैसे भी विकसित पश्चिमी दुनिया है। उसे गरीबों की कुछ नहीं पड़ी। गरीबों और निम्न मध्यवित्तीय परिवारों को वह कोई राहत नहीं देना चाहती। गरीब खुद राहत का कोई रास्ता निकाले, यह भी सरकार को मंजूर नहीं। आखिर यह सरकार 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के ध्येय वाक्य के साथ सत्ता में आई है। वैसे छत्तीसगढ़ को इसकी ज्यादा फिक्र करने की जरूरत नहीं है। छत्तीसगढ़ के खान-पान में सादा भोजन है, जल्दी तैयार हो जाता है। सुबह शाम वक्त पर सब साथ-साथ खा लेते हैं। भोजन को बार-बार गर्म करने का झंझट नहीं है। लोग अपनी आदत सुधारें तो 15 सिलिंडर भी बहुत होते हैं.

कुत्ते ने एक साल के बच्चे को नोचकर मार डाला, मां के सामने ले ली मासूम की जान, विरोध में उतरे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा की लोटस बुलेवार्ड सोसाइटी में कुत्ते ने सोमवार शाम को एक साल के बच्चे अरविंद पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे का पेट फाड़ दिया था। जिससे उसकी आंतें बाहर आ गई थीं। सोसाइटी के लोगों ने नोएडा के यथार्थ अस्पताल में बच्चे को भर्ती कराया। जहां सर्जरी के बावजूद बच्चे को बचाया जा नहीं जा सका।

सोसाइटी के धर्मवीर यादव ने बताया कि सेक्टर-110 में राजेश अपनी पत्नी सपना के साथ रहता है। दंपती का एक साल का बच्चा है। सोमवार को सपना बच्चे को लेकर लोटूस बुलेवार्ड सोसाइटी के गार्डन में आई थी। इसी दौरान टावर- 30 के पास 3 कुत्तों ने बच्चे को घेर लिया।

जिस समय बच्चे को कुत्ते ने काटा, उस समय सपना वहीं थीं। बच्चे के चीखने की आवाज सुनकर वह उसकी ओर दौड़ी। तब तक कुत्तों ने बच्चे के शरीर को कई जगह से काट लिया था। उसके शरीर से खून निकल रहा था। किस तरह बच्चे को छुड़ाया गया। फिर उसको अस्पताल ले गए।

कुत्तों का बधियाकरण करसोसाइटी में ही छोड़ा

सोसाइटी के लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही कुत्तों को नगर निगम ने स्टरलाइज किया था। इसके बाद वापस यहीं लाकर छोड़ दिया गया। अगर स्टरलाइज डॉग यहीं लाकर छोड़ दिए गए तो समस्या का समाधान कहां हुआ। यही वजह है कि अब हम घर से बाहर बच्चों को जाने नहीं दे रहे हैं। सोसाइटी निवासी विनोद शर्मा ने बताया कि तीन सालों से इन कुत्तों से परेशान है। हर दो महीने में कुत्ते काटने की घटना हो ही जाती है। लोग आते हैं, कुत्तों को खाना खिलाते हैं। अब ये आदमखोर हो चुके हैं। नोएडा प्राधिकरण भी इन कुत्तों को पकड़ने नहीं आता है। कुछ दिन पहले कुत्तों की नसबंदी की गई। इसके बाद यही दोबारा छोड़ दिया गया।

संपादकीय

हिंदी में पढ़ाई

नई शिक्षा नीति के तहत देश ने पेशेवर शिक्षा भी हिंदी माध्यम से देने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। अब तक चिकित्सा शास्त्र की पढ़ाई सिर्फ अंग्रेजी में ही होती थी और उसकी किताबें अंग्रेजी में ही उपलब्ध हुआ करती थीं, लेकिन अब चिकित्सा के तीन विषयों की तीन किताबों का हिंदी में आना सुखद और ऐतिहासिक प्रगति है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत एमबीबीएस छात्रों के लिए हिंदी पाठ्य-पुस्तकों का अनावरण किया है। अपनी तरह के इस पहले कदम के तहत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के हिस्से के रूप में तीन विषयों, जैव रसायन, शरीर रचना विज्ञान और चिकित्सा शरीर क्रिया विज्ञान की हिंदी पाठ्य-पुस्तकों का विमोचन किया गया है। लगे हाथ, उन्होंने यह भी घोषणा की है कि इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और कानून की शिक्षा भी जल्द ही हिंदी में दी जाएगी। जाहिर है, हिंदी में ऐसी पहल को किसी हिंदीभाषी क्षेत्र के राज्य को ही अंजाम देना था और इसमें मध्य प्रदेश ने बाजी मार ली है। पेशेवर या व्यावसायिक शिक्षा मातृभाषा या हिंदी में देने की चर्चा पुरानी है। संविधान निर्माताओं ने यही सोचा था कि आजादी मिलने के बाद के दो दशक में हिंदी समृद्ध हो जाएगी और अंग्रेजी अनिवार्य नहीं रह जाएगी। लेकिन यह सच है, हमारी सरकारों ने भाषा संबंधी बाधाओं से जूझने का जोखिम नहीं उठाया और अंग्रेजी स्वाभाविक ही सशक्त होती चली गई। हिंदी क्षेत्र में डॉक्टरी भले ही मातृभाषा में होती है, लेकिन पढ़ाई तो अंग्रेजी में ही होती आई है। जब अस्पतालों में डॉक्टर-मरीज संवाद हिंदी में होता है, तो डॉक्टरों का आपसी परामर्श या चिकित्सा कार्य अंग्रेजी में क्यों हो? इलाज भी अगर हिंदी में होगा, तो शायद ज्यादातर मरीजों को समझने में सुविधा होगी। अभी तो अनेक डॉक्टरों के हाथ से लिखी पर्ची को पढ़ना-समझना भी आसान नहीं है। हालांकि, हिंदी में पढ़ाई से एक खतरा यह है कि विदेश में नौकरी नहीं मिलेगी। शायद सरकार नीति के तहत ही ऐसा चाहती है कि देश के योग्य पेशेवर देश की सेवा में ही अपनी प्रतिभा का उपयोग करें। वैसे अगर भाषा को माध्यम बनाकर ब्रेन ड्रेन को रोकने का सपना देखा जा रहा है, तो इसमें बहुत सफलता नहीं मिलेगी। ब्रेन ड्रेन रोकने के दूसरे बेहतर तरीके हो सकते हैं। देश में अगर कार्य संस्कृति व वेतन-भत्ते को सुधार लिया जाए, तो बहुत सारे युवा या डॉक्टर, इंजीनियर ऐसे भी होंगे, जो विदेश से लौट आएंगे। खैर, पेशेवर शिक्षा को हिंदी भाषा में प्रदान करने के मामले में हम पिछड़ गए हैं, लेकिन इसके लिए अभी कतई दुखी होने या अफसोस करने की जरूरत नहीं है। भारत अनेक भाषाओं का देश है और यहां हिंदी को किसी भी भाषा पर थोपा नहीं जा सकता, यह भारत की उदारता के विरुद्ध होगा। जो देश छोटे थे या जिन देशों ने तानाशाही की, वहां स्थानीय भाषा में पूरी शिक्षा संभव हो गई। वास्तव में, पेशेवर शिक्षा में पूरा जोर गुणवत्ता पर होना चाहिए। अगर हम अपने हर शिक्षण संस्थान में गुणवत्तापूर्ण डॉक्टर, इंजीनियर, वकील पैदा करने लगेंगे, तब जरूरी बदलाव लाने में हम सफल होंगे। गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए चलना होगा। फिलहाल, यह खुशी की बात है कि 10 हिंदीभाषी और गैर-हिंदीभाषी राज्यों ने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पुस्तकों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद शुरू कर दिया है। कुल मिलाकर, आने वाले समय में भारत में दस से ज्यादा भाषाओं में पेशेवर पढ़ाई की आजादी होगी और होनी भी चाहिए।

> “ ब्रेन ड्रेन रोकने के दूसरे बेहतर तरीके हो सकते हैं। देश में अगर कार्य संस्कृति व वेतन-भत्ते को सुधार लिया जाए, तो बहुत सारे युवा या डॉक्टर, इंजीनियर ऐसे भी होंगे, जो विदेश से लौट आएंगे। खैर, पेशेवर शिक्षा को हिंदी भाषा में प्रदान करने के मामले में हम पिछड़ गए हैं, लेकिन इसके लिए अभी कतई दुखी होने या अफसोस करने की जरूरत नहीं है। भारत अनेक भाषाओं का देश है और यहां हिंदी को किसी भी भाषा पर थोपा नहीं जा सकता, यह भारत की उदारता के विरुद्ध होगा।

बच्चों को चैतन्य बनाएं

आजकल बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे पैदा होते हैं, जिन्हें लंबे चेतनाहीन दौर से नहीं गुजरना पड़ता, जैसा हम बुजुर्गों को गुजरना पड़ा था। इन दिनों पैदा होने वाले ज्यादातर बच्चों के माता-पिता जागृति की प्रक्रिया में हैं या वे अपेक्षाकृत जागरूक हैं। मुझ जैसे लोग, जो अब वृद्धावस्था में हैं, अपने जन्मदाताओं की जागृति के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। निस्संदेह, कुछ दंपति उस समय भी चेतना-संपन्न थे, पर वे इक्का-दुक्का ही थे। मैं अपने माता-पिता से बहुत प्यार करता था, लेकिन वे चैतन्य नहीं थे। सवाल यह है कि बच्चों को जागरूक बनने में कैसे मदद की जाए, ताकि वे सामूहिक अचेतनता की गिरफ्त से खुद को बचा सकें। यह सामूहिक अचेतनता जन-संस्कृति में आज भी व्याप्त है और प्रौद्योगिकी इस अचेतनता को बढ़ावा ही दे रही है।

याद रखें, सबसे प्रभावशाली शिक्षण वह नहीं है, जो आप उनसे कहते हैं या उनके लिए करते हैं, बल्कि सबसे असरदार शिक्षण है, घर में आपकी चेतन उपस्थिति। आपके बच्चों की शिक्षा का यही आधार बनता है। इसका उनकी पढ़ाई-लिखाई से कोई लेना-देना नहीं। चेतना को प्रसारित करने की नींव उनमें चेतना संचारित करना नहीं है, बल्कि जब आप उनके साथ घर में बातचीत करते हैं, तब खुद की चेतन उपस्थिति को बनाए रखना है। बच्चे देखते हैं कि आप कैसे व्यवहार करते हैं, और वे कुछ हद तक इसे ही अपने ऊपर सवार कर लेते हैं।

> “ अमेरिका के लिए दूसरा और ज्यादा बड़ा दुःस्वप्न पाकिस्तानी परमाणु जखीरे का किसी आतंकी संगठन के हाथ पड़ जाने की आशंका है। एक कमजोर नींव पर खड़े पाकिस्तानी राज्य में इसका खतरा हमेशा बरकरार रहता है। कई बार ऐसा हुआ कि देश के किसी विशाल भूभाग पर इस्लामी अतिवादियों का कब्जा हो गया और एक स्थिति तो ऐसी भी आई, जब वे इस्लामाबाद से सिर्फ साठ मील दूर रह गए थे।

कट्टरता से जन्मा देश खतरनाक

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

इन दिनों पाकिस्तान में हंगामा बरपा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी तैयारियों से जुड़े समूह के सामने बोलते हुए पाकिस्तान को दुनिया के सबसे खतरनाक मुल्कों में से एक करार दे दिया। यह एक ऐसे समय हुआ, जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और पीडीएम गठबंधन की शहबाज शरीफ सरकार अपनी विदेश नीति की सफलता की डींगे हांकते थक नहीं रहे थे। वर्षों बाद यह भी हुआ कि किसी पाकिस्तानी जनरल को अमेरिका के सुरक्षा तंत्र में इतना महत्व मिला। हालिया यात्रा के दौरान जनरल बाजवा को अमेरिकी रक्षा सचिव ने तो समय दिया ही, रक्षा मुख्यालय पेंटागन में भी उनको अप्रत्याशित प्रोटोकॉल दिया गया।

चंद महीनों में अमेरिकी रुख में इतना बड़ा बदलाव कैसे हो गया? अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जो गंभीर अध्येता अमेरिकी नीतियों पर नजर रखते हैं, वे जानते हैं कि ये किसी फौरी उत्तेजना की निर्मिति नहीं हैं, उन्हें अमेरिकी हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से विचार समूहों (थिंक टैंक) से प्राप्त इनपुट के आधार पर विकसित किया जाता है, इसलिए न तो पाकिस्तानी उल्लास के पक्ष में कोई तर्क बनता है और न ही जो बाइडन के बयान से कोई सरलीकृत निष्कर्ष निकाले जाने चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूं ही पाकिस्तान को सबसे खतरनाक मुल्कों की श्रेणी में नहीं रखा है। सात घोषित और दो अघोषित परमाणु हथियार संपन्न देशों में पाकिस्तान अकेला है, जहां से अलग-अलग मौकों पर परमाणु तकनीक अनधिकृत स्रोतों को बेची गई है। तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दस्तावेजी सबूत दिखाने के बाद पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम के जनक अब्दुल कादिर को आजीवन अपने घर में नजरबंद कर दिया गया था। आज यह खुले रहस्य की तरह है कि उत्तरी कोरिया और ईरान के परमाणु कार्यक्रम विकास के जिन चरणों में हैं, उन्हें वहां तक पहुंचाने में पाकिस्तान के सैन्य और असैन्य अधिकारियों को मिली रिश्वतों का भी बड़ा हाथ है। खुद प्रधानमंत्री रही बेनजीर भुट्टो ने भी एक इंटरव्यू में इसे माना था कि उनके सरकारी जहाज का भी इस काम में इस्तेमाल हुआ था। पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद जैसे पाकिस्तानी राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनके पास टैक्टिकल बम हैं। टैक्टिकल बम वे छोटे बम होते हैं, जिन्हें बिना महंगे तामझाम के दो-तीन पैदल सैनिक चला सकते हैं। सही अर्थों में तो एक ही सैनिक काफी है, जो अपने कंधे पर रखे किसी लॉन्चर से यह बम फेंक सकता है। इसे उपयोग में लाने के लिए कमांड और कंट्रोल का वर्तमान तंत्र काफी हद तक अपर्याप्त सिद्ध होगा। छोटा बम एक सीमित इलाके में कुछ लाख लोगों को तो मारेगा ही, एक बड़े परमाणु युद्ध की संभावना भी पैदा करेगा।

अमेरिका के लिए दूसरा और ज्यादा बड़ा दु:स्वप्न पाकिस्तानी परमाणु जखीरे का किसी आतंकी संगठन के हाथ पड़ जाने की आशंका है। एक कमजोर नींव पर खड़े पाकिस्तानी राज्य में इसका खतरा हमेशा बरकरार रहता है। कई बार ऐसा हुआ कि देश के किसी विशाल भूभाग पर इस्लामी अतिवादियों का कब्जा हो गया और एक स्थिति तो ऐसी भी आई, जब वे इस्लामाबाद से सिर्फ साठ मील दूर रह गए थे। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के लगभग हर राजनीतिक दल ने मौका पड़ने पर सशस्त्र जेहाद में विश्वास रखने वाले संगठनों से हाथ मिलाया है। इस समय लोकप्रियता के शिखर पर बैठे इमरान तो एक जमाने में कहे ही जाते थे तालिबान खान। फौज एक प्रोजेक्ट के तौर पर उन्हें सत्ता में लाई थी और उसके हाथ खींच लेते ही वे तख्त से उतार दिए गए। पर विपक्ष में बैठे इमरान ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। अमेरिका मुखालिफ आख्यान तो पाकिस्तान में हमेशा बिकता आया है, उन दिनों भी जब वह पूरी तरह से अमेरिकी मदद पर निर्भर था, सार्वजनिक विमर्श का टोन ऐसा ही होता था, पर इस बार तो इमरान ने इस नैरेटिव को फौज विरोधी भी बना दिया है। इन दिनों पाकिस्तानी सोशल मीडिया सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और उनके समर्थक खुफिया इदारों के अफसरों के खिलाफ गुस्से से भरा हुआ है। सत्ताच्युत होने के बाद होने वाले सारे उपचुनावों को इकतरफा मुकाबलों में जीतकर इमरान ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान में अमेरिका विरोधी के साथ ही फौज विरोधी बयान भी बिक सकता है और यह भी अमेरिका के लिए चिंता का एक कारण है। इसमें कोई शक नहीं है कि पाक फौज भारत और अफगानिस्तान के अभियानों मे अतिवादी मुस्लिम संगठनों का इस्तेमाल करने के लिए उन्हें पालती पोसती रही है, पर यह भी सच है कि जब भी किसी जेहादी संगठन ने राज्य सत्ता पर कब्जा करने का प्रयास किया उसके खिलाफ प्रतिरोध की मजबूत दीवाल सेना ही बनी है और उसने इसकी कीमत भी अपने हजारों अफसरों और जवानों की कुर्बानियों के रूप में चुकाई है। पाक और अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के बीच सरकारी रिश्तों में आने वाले उतार-चढ़ाव के बावजूद स्वतंत्र संबंध बने रहे हैं। इस समय पाकिस्तान का लगभग चौथाई हिस्सा बाढ़ के चलते तकलीफझेल रहा है और कोढ़ में खाज की तरह उसकी अर्थव्यवस्था कदर चरमराई हुई है। देश के भ्रष्ट राजनेता और नौकरशाह बाहर से आ रही राहत सामग्री भी लूटने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को विदेशी दानदाताओं के समक्ष आश्वासन देना पड़ा है कि वे सहायता के लिए प्राप्त सामग्री के इस्तेमाल का ऑडिट किसी तीसरे पक्ष से कराने के लिए तैयार हैं। अमेरिका अच्छी तरह से जानता है कि परमाणु हथियारों से संपन्न देश के दीवालिया हो जाने में क्या खतरे छिपे हैं? इसलिए वह दुनिया को आगाह करने के बावजूद पाकिस्तान को पूरी तरह से अलग-थलग छोड़ भी नहीं पा रहा है।

यह कहना अनुचित न होगा कि पाकिस्तान का वर्तमान संकट उसके जन्म से जुड़ी विसंगतियों की देन है। 1947 में यह दुनिया का धर्म पर आधारित पहला लोकतांत्रिक गणराज्य बना और यह बहुत अस्वाभाविक नहीं था कि पहले दिन से उसे उदारता, सहिष्णुता या समानता जैसे गुण नहीं मिले, जो किसी लोकतंत्र के लिए जरूरी होते हैं। उनके बरक्स भारत को प्रारंभिक 17 वर्षों तक जवाहर लाल नेहरु का नेतृत्व मिला, जिसने लोकतंत्र को मजबूत किया। आधा समय फौजी हुकूमतों के अधीन समय काटने वाले पाकिस्तान के हर शासक ने वैधता हासिल करने के लिए चरमपंथियों को प्रोत्साहित किया और आज का संकट उसी का नतीजा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग का हम सभी को इंतजार

ब्रजेश कुमार तिवारी, प्रोफेसर, जेएनयू

बैंकिंग प्रणाली किसी भी अर्थव्यवस्था की जीवन-रेखा होती है, और बैंक जनता के पैसे के ट्रस्टी होते हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों से बैंकिंग क्षेत्र में लगातार संरचनात्मक बदलाव किए जा रहे हैं। बीते रविवार को शुरू डिजिटल बैंकिंग यूनिट (डीबीयू) इसी की ताजा कड़ी है। आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 75 जिलों में 75 डीबीयू की शुरुआत प्रधानमंत्री ने की है। इसकी घोषणा गत बजट में की गई थी।

वास्तव में, भारत में डिजिटल बैंकिंग ने 1990 के दशक के अंत में आकार लेना शुरू किया, जब भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग क्षेत्र के डिजिटलीकरण की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए एक समिति (1988 में) गठित की। वर्ष 2003 में कोर बैंकिंग समाधानों ने 'कहीं भी और कभी भी बैंकिंग' की अनुमति दी। इसके बाद 2016 में लॉन्च किए गए 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) सिस्टम ने बैंकों को आसानी से फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बना दिया। डीबीयू आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में एक अन्य बड़ा कदम है। डिजिटल बैंकिंग का मूल अर्थ है, सभी बैंकिंग परिचालनों को डिजिटलीकृत करना, बैंकों की भौतिक उपस्थिति को ऑनलाइन उपस्थिति में बदलना और उपभोक्ता की शाखा में जाने की आवश्यकता को समाप्त करना। नव-स्थापित होने वाले 75 डीबीयू सभी राज्यों व केंद्रशासित क्षेत्रों को कवर करेंगे। आने वाला समय डिजिटल प्लेटफॉर्म का ही है, जिसे कोविड महामारी ने हमें बहुत कुछ पहले ही सीखा दिया है। आज ऑनलाइन बैंकिंग, ऑनलाइन लेन-देन, ऑनलाइन शिक्षा व ऑनलाइन जॉब हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। डेलॉयट रिसर्च एजेंसी के एक अध्ययन के अनुसार, देश में अभी 110 करोड़ लोग मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं, जिनमें से 72 करोड़ लोगों के हाथों में स्मार्टफोन है। इनकी संख्या 2026 तक 100 करोड़ पार कर जाने की उम्मीद है। केंद्र सरकार की योजना

'भारतनेट' कार्यक्रम के तहत 2025 तक सभी गांवों को फाइबर नेट से जोड़ने की भी है। इससे आने वाले समय में डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इतना ही नहीं, 35 करोड़ से अधिक डाकघर जमा खातों को कोर बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा जा रहा है, जिससे खाताधारक अपने खाते को ऑनलाइन एक्सेस कर सकेंगे। यह ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक होगा, साथ ही वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा देगा। यह ग्रामीण भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा प्रयास है। सरकार ने सस्ती मुद्रा प्रबंधन प्रणाली के लिए 2022-23 से रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले ब्लॉकचेन और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए डिजिटल रुपया पेश करने का प्रस्ताव रखा है। ऐसा करके भारत खुद की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) जारी करने वाले देशों में शामिल हो जाएगा। देश में बड़ी संख्या में मोबाइल ग्राहक होने के कारण वित्तीय सेवाओं के वितरण में इस तकनीक का व्यापक उपयोग हो सकता है। हालांकि, डिजिटल बैंकिंग जैसी सेवा पर विचार करते समय हमें सुरक्षा पर भी जोर देना होगा, क्योंकि डिजिटल बैंकिंग को व्यापक बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को सुरक्षित बनाना अनिवार्य है। केंद्रीय बैंक धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिए बेशक गंभीर प्रयास कर रहा है, लेकिन इसमें उसे पूरी तरह सफलता नहीं मिल सकी है। 'अ बुकलेट ऑन मोडस ऑपरेंडी ऑफ फाइनेंशियल फ्रॉड' के आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कुल 473 करोड़ रुपये का ऑनलाइन फ्रॉड लोगों के साथ हुआ है। ऑनलाइन फ्रॉड के चलते अभी महज चार करोड़ लोग ही मोबाइल बैंकिंग करते हैं। निकट भविष्य में डिजिटल बैंकिंग अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगी और फिनटेक भारतीय बैंकिंग व भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता है। जाहिर है, इसे सुगम और सुरक्षित बनाने की दरकार है। हमारे देश में करीब 6.5 लाख गांव हैं, जिनमें देश की करीब 65 फीसदी आबादी बसती है। आज भी विभिन्न कारणों से एक बड़ी ग्रामीण आबादी औपचारिक ऋण के दायरे से बाहर है। ऐसे लोगों के लिए डिजिटल बैंक काफी अहम साबित होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मध्यप्रदेश ने जलाई हिंदी की मशाल

केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु के क्रमश: मुख्यमंत्री, मंत्री और नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि उनके प्रदेशों पर हिंदी न थोपी जाए। ऐसा उन्होंने इसलिए किया है कि संसद की राजभाषा समिति ने केंद्र सरकार की भर्ती-परीक्षाओं में हिंदी अनिवार्य करने और आईआईटी तथा आईआईएम शिक्षा संस्थाओं में भी हिंदी की पढ़ाई को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। एक तरफ दक्षिण भारत से हिंदी विरोध की यह आवाज उठ रही है और दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने भारत के भाषाई अंधकार में हिंदी की मशाल जला दी है।

उन्होंने एक गजब का एतिहासिक कार्य करके दिखा दिया है। उनके प्रय प्रतिशतों से एमबीबीएस के पहले वर्ष की किताबों के हिंदी संस्करण तैयार हो गए हैं। उनका विमोचन भोपाल में 16 अक्टूबर को गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। गृहमंत्री के तौर पर राजभाषा को बढ़ाने के लिए अमित शाह के उत्साह को मैं तहे-दिल से दाद देता हूँ। अब 56-57 साल पहले जब मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का पीएच.डी. थीसिस हिंदी में लिखने की मांग की थी तो देश में इतना हंगामा मचा था कि संसद की कार्रवाई कई बार स्थगित हो गई थी।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहित सभी शीर्ष विरोधी नेताओं ने मेरा समर्थन किया और उच्च शोध के लिए हिंदी ही नहीं, समस्त भारतीय भाषाओं के द्वार खुल गए लेकिन आज तक भारत में मेडिकल, वैज्ञानिक और तकनीकी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी ही बना हुआ है। कोई सरकार इस गुलामी से भारत को मुक्त नहीं कर सकी। यह काम मेरे आग्रह पर शिवराज चौहान और उनके स्वास्थ्य-शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने करके दिखा दिया। म.प्र. के उन मेरे मित्र डॉक्टर बंधुओं का भी हार्दिक अभिनंदन, जिन्होंने एमबीबीएस की हिंदी पुस्तकें तैयार करने में दिन-रात एक कर दिए।

मुझे विश्वास है कि देश के अन्य प्रदेशों की सरकारें अपनी-अपनी भाषाओं में इन अछूते विषयों पर ग्रंथ प्रकाशित करने की प्रेरणा भोपाल से ग्रहण करेंगी। केंद्र सरकार के लिए यह एक चुनौती है। वह हिंदी तथा अन्य भाषाओं में ऐसे ग्रंथ प्रकाशित करने का व्रत क्यों नहीं ले लेती? म.प्र. की चौहान सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों, ग्रामीणों और पिछड़ों के बच्चों की प्रगति मार्ग खोल दिया है। जहां तक अ-हिंदीभाषी प्रांतों का प्रश्न है, उन पर हिंदी थोपने की कोई कोशिश नहीं होनी चाहिए।

यदि उनके बच्चों को भी उनकी उच्चतम शिक्षा उनकी मातृभाषा के जरिए दी जाने लगे तो वे हिंदी को संपर्क-भाषा के तौर पर सहर्ष स्वीकार कर लेंगे। दूसरे शब्दों में नरेंद्र मोदी और अमित शाह को हिंदी लाओं का नहीं, अंग्रेजी हटाओ का नारा देना चाहिए, जो काम महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ लोहिया ने शुरु किया था और जिसे गुरु गोलवलकर जैसे महामनाओं ने भी आगे बढ़ाया था।

यदि अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई पर देश भर में प्रतिबंध लग जाए तो विभिन्न स्वभाषाओं में पढ़े लोग परस्पर संपर्क के लिए कौनसी भाषा का सहारा लेंगे? हिंदी के अलावा वह कौनसी भाषा होगी? वह और कोई भाषा हो ही नहीं सकती। इसीलिए मैं कहता रहा हूं कि कोई स्वेच्छा से अंग्रेजी तथा अन्य विदेशी भाषाएं पढ़ना चाहे तो जरुर पढ़े, जैसे कि मैंने कई विदेशी भाषाएं सीखी हैं लेकिन देश में हिंदी तभी चलेगी जबकि स्वभाषाएँ सर्वत्र अनिवार्य होंगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग

ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Surana Jewellers
Certified Gems
Mo. 9303452485
Jawahar Chowk, Durg

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दी नई दिशा - श्रीमती अनिला भेंडिया

मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने विभिन्न गांवों में कई विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम कुआगोदी, लिमउडीह और सुरडोंगर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन कर विकास कार्यों की सौगात दी है।

श्रीमती भेंडिया ने ग्राम कुआगोदी में सामुदायिक भवन और हायर सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त कक्ष के निर्माण हेतु भूमिपूजन, ग्राम लिमउडीह में शासकीय प्राथमिक शाला में चारदीवारी निर्माण, प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, बोरखनन एवं मोटर पम्प स्थापना और रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा ग्राम सुरडोंगर में पानी टंकी निर्माण व पशु आश्रय निर्माण का भूमिपूजन तथा पशु औषधालय के नवीन भवन व स्कूल में पुस्तकालय, प्रयोग शाला भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने ग्रामीणों को विकास कार्यों के लिए बधाई भी दी।

मंत्री श्रीमती भेंडिया ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं, सभी ग्रामीण शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देने का कार्य कर रही है, जिसके लिए नई पहल करते हुए ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना की जा रही है, जो ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार का नया अवसर प्रदान करेगा। मंत्री श्रीमती भेंडिया ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा किसानों के हित में कार्य किया जा रहा है इसी के चलते मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत तीसरी किश्त की राशि दीपावली से पहले किसानों दी जा रही है, जिससे किसान भाई दीपावली का त्यौहार बहुत अच्छे से मना सकें।

मंत्री श्रीमती भेंडिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 65 लघु वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर सोसायटी के माध्यम से की जा रही है। जिससे हमारे वन क्षेत्र के निवासियों को बेहतर आय प्राप्त हो रहा है, इससे उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। उन्होंने ग्रामीणों को कोदो-कुटकी, मूंग, उड़द, अरहर जैसे फसल लेने प्रोत्साहित किया। मंत्री श्रीमती भेंडिया ने उपस्थित ग्रामीणों को दीपावली, तुलसी पूजा, गोवर्धन पूजा और भाई दूज की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर जनपद पंचायत डौंडी की अध्यक्ष श्रीमती बसंती दुग्गा, उपाध्यक्ष पुनीत राम सेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

दीपावली पर किसानों, पशुपालकों, मजदूरों एवं समूह की महिलाओं की खुशी हुई दुगुनी

राजनांदगांव जिले को प्रशासनिक कसावट के लिए मिली एक बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री ने लाल बहादुर नगर में तहसील कार्यालय का वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से किया शुभारंभ

क्षेत्र के 70 ग्राम के 68702 लोगों को मिलेगा राजस्व सम्बन्धी सुविधाओं का सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से राजनांदगांव जिले के अंतर्गत लाल बहादुर नगर में नवीन तहसील कार्यालय का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत जिले के 1 लाख 15 हजार 823 किसानों के खाते में 82 करोड़ 55 लाख 49 हजार 154 रूपए की राशि तथा गोधन न्याय योजना के तहत 6 हजार 318 पशुपालकों के खाते में 17 लाख 4 हजार 702 रूपए की राशि का अंतरण उनके खाते में किया। इस अवसर पर उन्होंने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों को भी उनके खाते में राशि का अंतरण किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि दीपावली त्यौहार पास है इसे ध्यान में रखते हुए किसानों, पशुपालकों एवं भूमिहीन मजदूरों तथा स्वसहायता समूह की महिलाओं के खाते में राशि अंतरित की गई है। त्यौहार के पहले सभी वर्गों के पास राशि होने से वे खुशी के साथ त्यौहार मना सकेंगे। इस दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू, कलेक्टर डोमन सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू ने कहा कि क्षेत्र की जनता के सहयोग से बहुप्रतीक्षित मांग आज साकार हुई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां तहसील कार्यालय का शुभारंभ होने से लोगों को राजस्व संबंधी कामकाज में बड़ी सुविधा मिलेगी। क्षेत्र की मेहनत और मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से वर्षों का सपना आज पूरा हुआ है। गौरतलब है कि नवीन तहसील कार्यालय का यहां शुभारंभ होने से कुल 39 ग्राम पंचायत एवं 70 ग्रामों के 68 हजार 702 लोगों को राजस्व संबंधी मामलों की सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा। यहाँ नवीन तहसील कार्यालय का शुभारंभ होने से राजनांदगांव जिले को प्रशासनिक कसावट के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। लाल बहादुर नगर में नवीन तहसील कार्यालय का शुभारंभ होने से तहसील क्षेत्र अंतर्गत शामिल लोगों ने खुशी जाहिर कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया है। इसके अंतर्गत 19 पटवारी हल्का शामिल किया गया है। तहसील कार्यालय का शुभारंभ होते ही इसका लाभ लोगों को मिलने लगा है। इस अवसर पर अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू, कलेक्टर डोमन सिंह, अधिकारियों और क्षेत्र की जनता इस शुभारंभ कार्यक्रम के साक्षी बने।

खास खबर

खाद बेचकर अपना भविष्य बुन रही हैं नानगुर की महिलाएं तो किसानों को मिल रहा खेती के लिए प्रोत्साहन

जगदलपुर। राज्य सरकार की गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ के पशुपालकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस बात का सीधा उदाहरण देखने को मिला, बस्तर के नवनिर्मित तहसील नानगुर में। जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों और पशुपालक सहित गोबर विक्रेताओं को दीपावली से पहले ही खुशियों की सौगात दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 17 अक्टूबर को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से राजीव किसान न्याय योजना और गोधन न्याय योजना के तहत हितग्राहियों को राशि का ऑनलाइन भुगतान किया। इस कार्यक्रम के तहत बस्तर जिले के 64 हजार 587 किसानों के खातों में 132 करोड़ करोड़ 94 लाख रुपए से अधिक की राशि के साथ ही राजीव गांधी गोधन न्याय योजना के तहत 1 हजार 611 हितग्राहियों के खातों में 9 लाख 67 हजार 908 रुपए का भुगतान किया गया। नानगुर के ही किसान विनोद कुमार सेठिया ने बताया कि वे खेती-किसानी करते हैं, उनके पास लगभग 5 एकड़ जमीन है। उन्हें राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ मिल रहा है जिससे उन्होंने पिछले वर्ष अपने खेत में बोर की सुविधा करवाई। इस साल भी उन्हें दीवाली से पहले ही योजना की राशि मिल रही है, जिससे वे काफी खुश हैं। विनोद का मानना है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों को खेती करने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। नानगुर की ही एक और कहानी काफी प्रेरणादायी है, ये कहानी है मीना कोंदाम की। मीना नानगुर की ही रहने वाली हैं और अपने समूह के साथ मिलकर गोबर बेचने और वर्मी-कम्पोस्ट खाद बनाने का काम करती हैं। मीना से जब पूछा गया कि उन्हें गौठान में कैसा लग रहा है, तब वे कहती हैं।

छत्तीसगढ़ में पौने चार साल : प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण का जुड़ा नया अध्याय

छह नये जिले, 19 अनुविभाग और 77 तहसील की मिली ऐतिहासिक सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले पौने चार साल में प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण का एक नया अध्याय जुड़ गया है। राज्य में नवगठित जिलों से विकास की नई रोशनी आएगी। लोगों तक विकास के लिए तैयार की गई योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचेगा । प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण जनआकांक्षाओं की पूर्ति के साथ-साथ पिछड़े और अविकसित क्षेत्र को भी विकास की बराबरी में आने का मौका मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करने तथा शासन-प्रशासन में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के साथ आम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण का फैसला लिया। इस फैसले के अमलीजामा होने से लोगों की जनभावनाओं की जहां पूर्ति हुई है, वहीं इन क्षेत्रों को विकास के रास्ते में आगे बढ़ने के लिए नया वातावरण मिला है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छह नये जिले, 19 अनुविभाग और 77 तहसील बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ के नवगठित सभी छह जिलों में कामकाज की शुरूआत हो चुकी है। इन जिलों में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक पदस्थ किए जा चुके हैं। अन्य विभागों के जिला अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। नये जिले अस्तित्व में आने के बाद लोगों को राजस्व प्रशासन के साथ जिले में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिलना

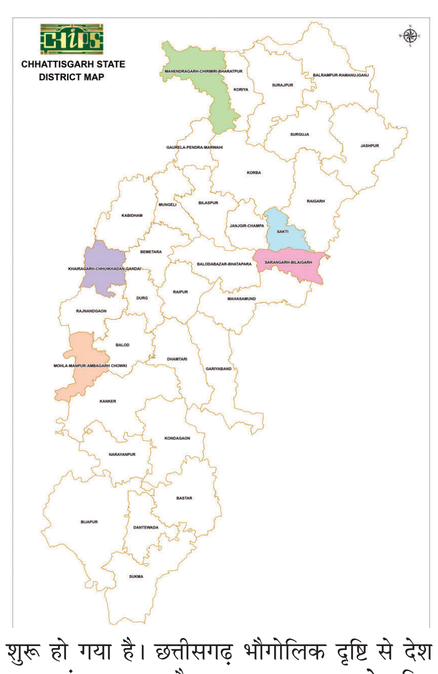

शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ भौगोलिक दृष्टि से देश का नवां बड़ा राज्य है। 1 नवम्बर 2000 को गठित इस राज्य में शुरू में 16 जिले थे। प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए यहां वर्ष 2007 में 2 नए जिले नारायणपुर व बीजापुर का गठन किया गया। इसी प्रकार 1 जनवरी 2012 को 9 नये जिले सुकमा, कोंडागांव, बालोद, बेमेतरा, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, मुंगेली, सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज बनाए गए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में 10 फरवरी को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का उद्घाटन किया गया। वर्ष 2022 में पांच और नए जिले:- मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, सक्ती का शुभारंभ हुआ। इसके अलावा 77 नये तहसील और 19 अनुविभाग बनाए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में 33 जिले, 108 अनुविभाग 227 तहसील कार्यशील हैं। इन सभी स्थानों पर तहसीलदारों, अनुविभागीय अधिकारियों की पदस्थापना भी हो चुकी है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस सोच के साथ काम करना शुरू किया कि आम जनता को शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले। आम नागरिकों के दैन्दिनी शासकीय कार्यों का निपटारा आसानी से हो, उसमें कम-से-कम समय लगे। शासकीय कार्यालय जाने में समय ज्यादा व्यतीत न हो। इसके लिए आवश्यक था कि प्रशासन जनता के करीब जाए, अधिक से अधिक विकेन्द्रीकरण हो। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक आवश्यकताओं और क्षेत्रवासियों की वर्षो पुरानी मांग पर नए जिले, अनुविभाग और तहसील बनाने की दिशा में कार्य करना प्रारंभ किया, समय-समय पर जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप घोषणाएं की। साथ ही उनके जल्द गठन करने का निर्देश भी दिया गया।राजस्व मंत्री श्री जयसिंग अग्रवाल ने कहा है कि प्रशाशनिक विकेंद्रीकरण से जनसुविधा में वृद्धि होगी, विकास की गति तेज होगी।

10 फरवरी 2020 को गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 02 सितम्बर 2022 को मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, 03 सितम्बर 2022 को सारंगढ़-बिलाईगढ़ तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, 09 सितम्बर को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा सक्ती जिले का शुभारंभ किया गया।

राज्यपाल ने ब्रह्मकुमारी के सेव वाटर मिशन का किया शुभारंभ, जल संरक्षण के पहल की सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज बिलासपुर प्रवास के दौरान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय की बहनों ने भेंट की। इस दौरान राज्यपाल सुश्री उइके ने ब्रम्हाकुमारी सेव वाटर मिशन का शुभारंभ किया और जल संरक्षण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। ब्रह्माकुमारी की बहनों ने राज्यपाल सुश्री को जल संरक्षण के उद्देश्य से एक अलार्म मशीन भी भेंट की। अलार्म मशीन के माध्यम से आवासीय-गैर आवासीय भवनों की टंकियों में पानी भरने के दौरान ओवरफ्लो के कारण होने वाली पानी की बर्बादी को रोकना है।

ब्रह्मकुमारी की बहनों ने राज्यपाल को बताया कि ओवरफ्लो के कारण बड़ी मात्रा में पानी की बर्बादी होती है।राज्यपाल ने लोगों से जल का संरक्षण करने और इस मुहिम में सहयोग देने का आग्रह किया।

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज बिलासपुर में स्ट्रेंथ लिफ्टिंग खिलाड़ी रोहन शाह ने मुलाकात की। राज्यपाल को रोहन ने बताया कि किर्गिस्तान में उन्होंने नाइंथ वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एंड पेस चैंपियनशिप में 105 वेट कैटेगरी स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में कुल 407.5 किलोग्राम का भार उठाकर कांस्य पदक एवं ईक्लाइन बेंच प्रेस में कुल 175 किलोग्राम का भार उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया। राज्यपाल ने पदक जीतकर देश व प्रदेश का सम्मान बढ़ाने के लिए रोहन का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आगामी प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतने के लिए रोशन को शुभकामनाएं दी।

बिहान से जुड़कर महिलाएं हो रही है सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की महिलाएं समूहछत्तीसगढ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की महिलाएं समूह से जुड़कर सफलता की नयी कहानियां लिख रही है। यह सब बिहान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं एवं युवतियों को समूह में गठित कर उन्हें स्व रोजगार से जोड़ेने से संभव हो पा रहा है।

बिहान के माध्यम से जिला बिलासपुर, विकासखंड बिल्हा के ग्राम पंचायत रहंगी की चांदनी महिला स्वयं सहायता समूह के 11 सदस्यों ने मछली पालन व्यवसाय से 2 लाख रूपए की आमदनी प्राप्त कर चुकी है। समूह की इन दीदियों का परिवार व्यक्तिगत रूप से कृषि एवं गैर कृषि कार्य में लगे हुए हैं। योजना से जुड़ने के बाद इन्हें अतिरिक्त आय का साधन मिल गया है। समाज में भी उनका मान अब बढ़ गया है।

11 सदस्यों ने मछली पालन व्यवसाय से 2 लाख रूपए की आमदनी प्राप्त कर चुकी है गौरतलब है कि राज्य सरकार त्रि-स्तरीय पंचायतों में बिहान की सहायता से महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इसका सार्थक परिणाम भी मिल रहा है।

बिहान योजना के तहत समूह को मिलने वाले वित्तीय सहायता एवं लाभ ने इस समूह की दीदियों को अधिक प्रभावित किया। सभी दीदियों ने मिलकर स्वयं सहायता समूह का गठन करने एवं इसके माध्यम से मिलने वाले वित्तीय सहायता एवं लाभ लेकर आर्थिक रूप से अपने परिवार को मजबूत बनाने का निर्णय लिया। समूह की अध्यक्ष श्रीमती अंजली श्रीवास एवं सचिव श्रीमती मीना ध्रुव है। बिहान योजना से जुडने बाद समूह की सभी दीदियों को बिहान योजना के तहत 15 हजार रूपये मिले। इसके एक वर्ष के बाद समूह को सामुदायिक निवेश कोष की राशि 60 हजार प्राप्त हुए। इस राशि का उपयोग करते हुए समूह की दो दीदियों ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के उद्देश्य से किराना दुकान और बाड़ी विकास का कार्य प्रारंभ किया। समूह ने ग्राम में ही बने तालाब में सामुहिक रूप से मछली पालन करने की योजना बनाई एवं इस हेतु आवेदन दिया।

इसके अलावा समूह की दीदियां ने अपने आय के साधन बढाने के लिए विकासखंड परियोजना प्रबंधन इकाई की टीम की मदद से बैंक में लोन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिससे समूह को लोन के रूप में बैंक से 50 हजार रूपये की सहायता राशि प्राप्त हुई।

दो दिनों तक हो सकती है हल्की से मध्यम वर्षा

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोमवार को दिन भर उमस भरी गर्मी रहने के बाद शाम को जोरदार बारिश हुई जिससे गर्मी व उमस से लोगों को राहत मिली। वहीं अगले दो-तीन दिनों तक राजधानी सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई रेखा कैलाशहर बहरामपुर कानके बिलासपुर ब्रम्हपुरी बुलढाणा दहानू है. दक्षिण पश्चिम मानसून के विदाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही है, जिसकी वजह से अगले 2 दिनों के दौरान प्रदेश के कुछ भाग से मानसून की वापसी संभव है. प्रदेश में बंगाल की खाड़ी से प्रचुर मात्रा में नमी आ रही है।

खास खबर

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के 22 मोटल व रिसॉर्ट को लीज पर देने की कार्यवाही शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा अपने 22 मोटल एवं रिसॉर्ट के संचालन के लिए लीज पर दिए जाने की कार्यवाही की जा रही है। इन मोटल व रिसॉर्ट को तीस-तीस वर्षो के लिए लीज पर दिए जाने का प्रावधान रखा गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों के निजी निवेशक 21 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। गौरतलब है कि पर्यटकों को व्यवसायिक दृष्टिकोण से अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से निजी निवेशकों से संचालन के लिए लीज में दिए जाने का निर्णय लिया गया है, ताकि प्रदेश में पर्यटन विकास की दिशा को सक्षम गति प्राप्त हो सके।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा पूर्व में की गई निविदा के माध्यम से रायगढ़ और सरगुजा में स्थित मोटल के संचालन हेतु सफल निविदाकर्ताओं को उनके द्वारा प्रस्तुत अधिकतम वित्तीय प्रस्ताव को समिति द्वारा मान्य किया गया है। शीघ्र ही इन इकाईयों का संचालन सफल निविदाकर्ताओं को सौंपा जायेगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियो ने बताया कि निजी निवेशको द्वारा मितान मोटल चढ़ीरमा (सरगुजा के लिए एक मुश्त लीज प्रीमियम राशि 15,07,777 रूपए, मितान मोटल, कोडातराई (रायगढ़) के लिए एक मुश्त लीजा प्रीमियम राशि 25,66,899 रूपए, मितान मोटल कुलीपोटा (जांजगीर-चांपा) के लिए एक मुश्त लीज प्रीमियम राशि 19,24,111 रूपए एवं मितान मोटल सरगांव (बिलासपुर) के लिए एक मुश्त लीज प्रीमियम राशि 42,11,121 रूपए पर 35 प्रतिशत वार्षिक किराया प्रस्ताव मंजूरी प्रदान कर दी है। शीघ्र ही इन 04 मोटल का संचालन प्रारंभ हो जाएगा, जिससे देश-विदेश के पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं प्राप्त होगी और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होगें।

छत्तीसगढ़ में अब 1305.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1305.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 17 अक्टूबर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2446.2 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 636.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 1069.6 मिमी, बलरामपुर में 1116.0 मिमी, जशपुर में 1134.8 मिमी, कोरिया में 923.7 मिमी, .रायपुर में 956.7 मिमी, बलौदाबाजार में 1199.0 मिमी, गरियाबंद में 1297.3 मिमी, महासमुंद में 1178.7 मिमी, धमतरी में 1357.0 मिमी, बिलासपुर में 1490.8 मिमी, मुंगेली में 1350.1 मिमी, रायगढ़ में 1244.8 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1399.4 मिमी, कोरबा में 1260.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1125.9 मिमी, दुर्ग में 1032.7 मिमी, कबीरधाम में 1184.9 मिमी, राजनांदगांव में 1261.4 मिमी, बालोद में 1333.6 मिमी, बेमेतरा में 745.8 मिमी, बस्तर में 1881.7 मिमी, कोण्डागांव में 1318.0 मिमी, कांकेर में 1605.9 मिमी, नारायणपुर में 1526.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1852.6 मिमी और सुकमा में 1625.1 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

राज्य सरकार आदिवासियों को 32 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

आदिवासी वर्ग के सभी सांसद, मंत्री सहित विधायकों को मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त

मुख्यमंत्री बघेल से आदिवासी समाज के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात कर आरक्षण के मुद्दे पर की विस्तार से चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में आदिवासी समाज के जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात कर आरक्षण के मुद्दे पर की विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर आदिवासी समाज के सांसद, मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों को 32 प्रतिशत के आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और इसके लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने मुलाकात के दौरान शासन की मंशा से स्पष्ट रूप से अवगत कराते हुए कहा कि प्रदेश में आरक्षित वर्ग का किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होगा, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। सर्वप्रथम इस विषय को लेकर हम सर्वोच्च न्यायालय में जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आदिवासियों के हित और उनके संरक्षण के लिए संविधान में जो अधिकार प्रदत्त है, उसका पालन के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से सजग होकर कार्य कर रही है। हमारी स्पष्ट मंशा है कि संविधान द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग को प्रदान किए गए सभी अधिकारों का संरक्षण किया जाएगा। इस विषय में सरकार स्वत: संज्ञान लेकर सभी जरूरी कदम उठा रही है, इसलिए आदिवासी समाज को बिल्कुल भी चिंचित होने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री बघेल ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में हमारी सरकार आदिवासियों के हित और उनके उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। हमारा मुख्य ध्येय राज्य में आदिवासी समाज को आगे बढ़ाते हुए उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि राज्य में हमारी सरकार के बनते ही आदिवासियों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासियों के हित को ध्यान रखते हुए इस मामले में जो भी आवश्यक कदम होगा, वह उठाया जाएगा।

इस अवसर पर सांसद दीपक बैज, सांसद फूलोदेवी नेताम, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, संसदीय सचिव यू.डी. मिंज, शिशुपाल सोरी, तथा विधायक विनय भगत, गुलाब कमरो, डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, राजमन बेंजाम, मोहित केरकेट्टा, डॉ. प्रीतमराम, पुरूषोत्तम कंवर आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दीपावली में सजा मिट्टी के दीयों का बाजार, नहीं मिल रहे खरीददार

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित सूबे के विभिन्न हाट बाजारों में मिट्टी के दिए बाजार में सज गए हैं लेकिन खरीददार नहीं हैं। इस दीवाली कुम्हारों को उम्मीद थी कि मिट्टी के दीये और कलशों की बिक्री से उनके कारोबार में बरकत आएगी। इसी उम्मीद के साथ ही कुम्हारों के चाक की रफ्तार तेज हो गई और गांवों में मिट्टी का बर्तन बनाने वाले कुम्हार दिन-रात काम करने लगे। लेकिन बारिश और बाजार में बिक रहे चाइनीज सामान और फैंसी आइटमों की वजह से मिट्टी के दिये और अन्य सामान की बिक्री कम हो गई है जिससे कुम्हारों की चिंता बढ़ गई है।

दरअसल, बाजार में बिक रहे चाइनीज दिए झालरों, प्लास्टिक एवं पीतल की फैंसी सामग्रियों कि वजह से मिट्टी के दीयों और कलशों की मांग बाजार में कम हो गयी है। सस्ती चमचमाती चीनी लड़ियों की वजह से ही देसी बाजार साल दर साल मंदा होता जा रहा है। हालत यह है कि दीये तो तैयार है पर खरीदार नहीं मिल रहे हैं। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीयों की मांग काफी घट गई है। मिट्टी के दीये की मांग कम होने की वजह से जिले के कुम्हारों के माथाओं पर चिंता की लकीरें झलकने लगी हैं। इसके चलते मिट्टी के दीये बनाकर परिवार का पालन-पोषण करने वाले कुम्हार काफी परेशान हैं।

अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे आदिवासी समाजः राज्यपाल सुश्री उइके

आदिवासी लोककला महोत्सव में शामिल हुईं राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके बिलासपुर जिले के कोटा में छत्तीसगढ़ सर्वआदिवासी समाज द्वारा आयोजित आदिवासी लोक कला महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री उइके ने कहा कि आदिवासी समुदाय ने प्रकृति के साथ रहते हुए आदिकाल से लगातार अपने परिवेश की देखभाल कर उसके संरक्षण और संवर्धन का काम किया है। आदिवासी समाज के धर्मगुरूओं द्वारा विश्व की रक्षा के लिए पर्यावरण के संतुलन के सिद्धांतों को भी जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया है। हमारे आदिवासी समाज द्वारा गुरूओं के इन संदेशों का प्रचार आधुनिक समाज को नयी दिशा दे सकता है। अपने अधिकारों के प्रति सजग रहकर और समाज एकजुट रहकर ही तरक्की की राह पर आगे बढ़ सकता है। समाज के लोग सजग रहकर ही शासन, प्रशासन तक अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचा सकते है और शासकीय योजनाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। आज की जनजातीय युवा पीढ़ी को भी समुदाय के पारंपरिक ज्ञान एवं रीति-रिवाजों को हस्तांतरित किया जाना चाहिए।

मुख्य अतिथि की आसंदी से राज्यपाल सुश्री उइके ने आगे कहा कि इस बदलते परिवेश में आदिवासी समुदाय अपनी पुरातन परंपरा को खोते जा रहा है। अपनी समृद्ध संस्कृति से दूर होता जा रहा है। इस तरह के कार्यक्रम, समुदाय के लोगों को अपनी संस्कृति से परिचित कराने के लिए अति महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस मौके पर आदिवासी समाज के माटीपुत्र क्रांतिवीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधुर, बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती जैसे महान् विभूतियों को भी सादर नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान के कारण यह समुदाय अपने अस्तित्व को बचाने और उसे उन्नत करने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि मैं क्षेत्रवासियों की खुशहाली के लिए अरपा नदी से प्रार्थना करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश के संविधान में जनजातीय समाजों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई प्रावधान किये गये है। इन प्रावधानों के द्वारा आदिवासियों को किसी भी प्रकार के शोषण और अत्याचार से सुरक्षा प्रदान किये गये है। कार्यक्रम को बिलासपुर लोकसभा सांसद अरूण साव और लोरमी विधायक धर्मजीत सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान आदिवासी समाज के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज और ग्रामीण जन मौजूद थे।

अन्तर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई एग्री कार्नीवाल 2022

छत्तीसगढ़ की बहुमूल्य जैव विविधता के उपयोग से किसानों का आर्थिक विकास संभवः डॉ. चंदेल

राज्य की 343 परंपरागत किस्मों के संरक्षण के लिए कृषक अधिकार मिला

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता इस राज्य की अमूल्य सम्पदा है, जिसका समुचित उपयोग कर छत्तीसगढ़ को समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की इन परंपरागत किस्मों का उपयोग नवीन किस्मों के संवर्धन, अनुसंधान तथा उत्पादन हेतु किया जाना चाहिए। डॉ. चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धान की अनेक किस्मों में कैंसररोधी गुण होने की संभावना है, जिनका चिन्हाकन कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। इन किस्मों संरक्षण और संवर्धन कर इनके उत्पादन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए तथा इनका उपयोग दवाओं के निर्माण में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण कर किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कृषि मड़ई एग्री कार्नीवाल 2022 के चौथे दिन ''जैव विविधता संरक्षण एवं कृषक प्रजातियों का पंजीयन कार्यशाला एवं प्रदर्शनी'' को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता के मुख्य अधिकारी डॉ. जे.सी. राणा ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के संयुक्त पंजीयक डॉ. दीपल राय चौधरी, आई.सी.ए.आर. के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. राकेश भारद्वाज, डॉ. एम.एल. नायक उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए किसानों ने उनके द्वारा संरक्षित विभिन्न फसलों की परंपरागत किस्मों को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जे.सी. राणा ने कहा कि उनकी संस्था सम्पूर्ण भारतवर्ष में कृषि फसलों एवं औषधीय फसलों में जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा मिला है तथा किसानों द्वारा संरक्षित परंपरागत किस्मों का अधिकार प्राप्त हुआ है। पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के संयुक्त पंजीयक डॉ. दीपल राय चौधरी ने बताया कि पी.पी.वी.एफ.आर. के तहत चार मुख्य बिन्दुओं के माध्यम से जी.आई. टेग की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

छत्तीसगढ़ में तेजी से खोले जा रहे परिवहन सुविधा केन्द्र

अब तक 219 परिवहन सुविधा केन्द्रों की हो चुकी स्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सेवाओं को आसान और घर के निकट उपलब्ध कराने के लिए तेजी से परिवहन सुविधा केन्द्र खोले जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश में अब तक 219 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना हो चुकी है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने परिवहन संबंधी सेवाओं में विस्तार के लिए राज्यभर में 1000 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना की घोषणा की है। इन सुविधा के बाद परिवहन संबंधी सुविधाओं के लिए लोगों को अनाधिकृत एजेंटों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी, वहीं परिवहन संबंधी सुविधाएं घर के पास ही उपलब्ध हो जाएगी। परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना से एक ओर जहां परिवहन सुविधाओं के लिए लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी, वहीं लोगों को इसके संचालन के जरिए रोजगार भी उपलब्ध होगा। राज्य में परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना से करीब 5 हजार युवाओं के रोजगार सृजन की सम्भावना है।

इसके तहत परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्यभर में परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना तेजी से जारी है। राज्यभर में अब तक 219 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना हो चुकी है। इनमें जिला परिवहन कार्यालय रायपुर के अंतर्गत 32, कांकेर अंतर्गत 4, राजनांदगांव अंतर्गत 12 तथा रायगढ़ अंतर्गत 9 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना शामिल हैं। इसी तरह महासमुन्द जिला परिवहन कार्यालय के अंतर्गत 14, धमतरी अंतर्गत 18, जांजगीर-चांपा अंतर्गत 18, जगदलपुर अंतर्गत 8, बैकुण्ठपुर अंतर्गत 2, अंबिकापुर अंतर्गत 6 तथा सूरजपुर अंतर्गत 10 परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना हो चुकी है। इसके अलावा कोण्डागांव अंतर्गत 9, कबीरधाम अंतर्गत 14, गरियाबंद अंतर्गत 13, सुकमा अंतर्गत 8, बलरामपुर अंतर्गत 3, जशपुर अंतर्गत 4, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही अंतर्गत 2, कोरबा अंतर्गत 9, मुंगेली अंतर्गत 7, बलौदाबाजार-भाटापारा अंतर्गत 12 और बालोद के अंतर्गत 5 केन्द्रों की स्थापना हो चुकी है।

सुविधा केन्द्र संचालन के लिए अर्हता

परिवहन विभाग की ओर से जारी मार्गदर्शिका के अनुसार कोई व्यक्ति, संगठन, संघ, सहकारी समिति या कोई भी विधिक इकाई सुविधा केन्द्र के लिए पात्र होंगे। केन्द्र संचालन के लिए कम-से-कम 100 वर्गफीट का स्वयं का भवन या किराया अनुबंध भवन उपलब्ध होना आवश्यक है। लर्निंग लाइसेंस के लिए अलग से विभाजित कक्ष होना भी आवश्यक है। सुविधा केन्द्र संचालन के लिए आवश्यकतानुसार जीएसटी प्रमाण-पत्र या नगरीय निकाय द्वारा जारी गुमाश्ता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आवेदकों के लिए मूलभूत व्यवस्था सहित प्रतीक्षालय, तकनीकी कक्ष व सीसीटीव्ही कैमरा होना चाहिए। सुविधा केन्द्र संचालन के आवेदकों को उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होने की योग्यता निर्धारित की गई है। वहीं डीसीए/पीजीडीसीए या समकक्ष योग्यताधारी को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदकों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हाथों को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल करें ये 4 तरह की नेल पेंट

नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए कई महिलाएं नेल पेंट का इस्तेमाल करती हैं। ये पूरे लुक को बेहद खूबसूरत बनाने के साथ-साथ हाथों को आकर्षक बनाने में भी मदद करती हैं। अलग-अलग जगहों के लिए अलग-अलग की नेल पेंट इस्तेमाल की जाती हैं। बाजार में भी अब कई तरीके की नेल पेंट मौजूद हैं, जिसके कारण महिलाएं अक्सर कंफ्यूज हो जाती हैं। आइए आज हम आपको चार बेहतरीन नेल पेंट के बारे में बताते हैं।

मैट नेल पेंट

मैट नेल पेंट काफी पसंद की जाती है। ये नेल पेंट आपके नाखूनों को बगैर चमक या शाइनिंग के एक चिकनी फिनिश देती है। इससे आपके हाथ बेहद खूबसूरत दिखते हैं। इस नेल पेंट में आप पेस्टल रंगों को चुन सकती हैं। इसे आप नॉर्मल दिनों में या किसी प्रोग्राम में भी लगा सकती हैं। इसे लगाने से आपके नाखून चमकीले नहीं दिखेंगे, इसलिए दिन के प्रोग्राम में लगाने के लिए ये नेल पेंट बढ़िया विकल्प है।

क्रोम नेल पेंट

क्रोम नेल पेंट में एक खास बात होती है कि यह नियमित नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है। इसे लगाने से नाखूनों पर एक बहुत ही खूबसूरत चमक आती है। अगर आपको रात की पार्टी में जाना है तो क्रोम नेल पेंट बिल्कुल सही है। अपने नाखूनों पर इसे दो बार लगाएं और इसके बाद हाई-शाइन टॉप कोट लगाएं। ये आपके पूरे लुक पर चार चांद लगा देगी।

ग्लिटर नेल पेंट

अक्टूबर से दिसंबर के बीच बहुत शादी होती हैं और ऐसे मौकों के लिए ग्लिटर नेल पेंट बहुत अच्छा विकल्प है। ये आपके नाखूनों की चमक और ज्यादा बढ़ा देगी। ये आमतौर पर ट्रांसपेरेंट होती है और इसमें ग्लिटर के टुकड़े शामिल रहते हैं। नाखूनों पर बेस कोट लगाने के बाद ग्लिटर पेंट के दो कोट लगाएं और फिर ग्लॉस कोट लगा लें। ये नियमित या मैट नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है।

क्रीम नेल पेंट

क्रीम नेल पेंट बहुत ही क्लासिक और सुरक्षित है। ये आपके नाखूनों को ग्लॉसी फिनिश लुक देती है। इसमें किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती, इसलिए यह लंबे समय तक चलती है। हालांकि इसे हटाने के लिए आपको नेल पेंट रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। इसके सिर्फ दो कोट लगाने से आपके हाथ आकर्षक दिखेंगे। बाजार में यह नेल पेंट बहुत से रंगों में उपलब्ध है। आप अपने कपड़ों की मैचिंग या फिर पसंदीदा रंग में इसे खरीद सकती हैं।

हाउसफुल 5 में दिखेंगे अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम समेत कई बड़े अभिनेता

काफी समय से हाउसफुल 5 बनने की चर्चा चल रही है। खबरों की मानें तो फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म की प्लॉट फाइनल कर ली है। वह फिल्म के लिए पांच अभिनेताओं की तलाश में जुटे थे। अब सुनने में आ रहा है कि इस फिल्म में एक बार फिर अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और बॉबी देओल नजर आ सकते हैं। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसफुल 5 के लिए अक्षय, जॉन, अभिषेक, रितेश और बॉबी साथ आ रहे हैं। साजिद की योजना हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पूरी स्टारकास्ट को पांचवीं फिल्म में एक साथ लाने की है। एक सूत्र ने कहा, वह एक ऐसे प्लॉट को बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो सभी कैरेक्टर्स की उपस्थिति को सही ठहराए। उन्होंने अपने प्लॉट को फाइनल कर लिया है। वह कहानी और स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

खबरों की मानें तो साजिद हाउसफुल 5 की स्क्रिप्ट में व्यक्तिगत रूप में अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी होने के बाद निर्देशक की कास्टिंग की जाएगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल के अंत में शुरू हो सकती है। कहा जा रहा है कि इन पांच अभिनेताओं के अलावा इस फ्रेंचाइजी की हिरोइनों को भी इस फिल्म में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर जलवा रहा है। अक्षय से लेकर दीपिका पादुकोण, चंकी पांडे, रितेश देशमुख, बॉबी, दिवंगत जिया खान, बोमन ईरानी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे सितारे इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। हाउसफुल और हाउसफुल 2 का निर्देशन साजिद खान ने किया था। हाउसफुल 3 का निर्देशन फरहाद सामजी और साजिद ने मिलकर किया था। हाउसफुल 4 को फिल्ममेकर फरहाद ने निर्देशित किया था।

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 2010 में आई थी। इसकी दूसरी किस्त 2012 में रिलीज हुई थी, जबकि हाउसफुल 3 2016 में सिनेमाघरों में आई थी। इसकी चौथी किस्त 2019 में दर्शकों के बीच आई थी।

अक्षय की बात करें तो उनकी फिल्म राम सेतु 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा वह गोरखा, सेल्फी और बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे। अय्यप्पनम कोशियुम की हिंदी रीमेक में जॉन दिखेंगे। अभिषेक घूमर और आर बाल्की की फिल्म में नजर आएंगे। अभिनेता रितेश के खाते से छत्रपति शिवाजी और विस्फोट जैसी फिल्में जुड़ी हुई हैं। बॉबी एनिमल और अपने 2 में मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

मदालसा शर्मा ने क्रॉप टॉप में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

छोटे पर्दे का सबसे ज्यादा पंसद किए जाने वाले शोज में से एक अनुपमा शुरुआत से ही दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है. शो घर-घर में अपनी पहचान हासिल कर चुका है. अनुपमा में रुपाली गांगुली, सुधांशु पांडे और मदालसा शर्मा, गौरव खन्ना को लीड रोल्स में देखा जा रहा है. शो के सभी किरदार अपने आप में बहुत खास हैं. इन्हीं में से एक नाम मदालसा शर्मा का भी है.

मिथुन चक्रवर्ती की बहू मदालसा शर्मा को शो में काव्या का किरदार निभाते हुए देखा जा सकता है. एक्ट्रेस अपने अभिनय के दम पर घर-घर में खुद को साबित कर चुकी हैं. ऐसे में आज वह किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं.

मदालसा अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस के होश उड़ा ही देती हैं. अब फिर से काव्या ने सिजलिंग अदाएं दिखाई हैं. तस्वीरों में उन्हें ब्लू कलर का क्रॉप टॉप और पैंट पहने देखा जा सकता है.

इस लुक को कंप्लीट करने के लिए मदालसा ने लाइट मेकअप किया है और बालों को कर्ल कर खुला छोड़ा हुआ है. इसके साथ उन्होंने पिंक ईयररिंग्स पेयर किए हैं. यहां वह अलग-अलग दिखाते हुए अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस लुक में वह काफी हॉट दिख रही हैं. अब मदालसा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. मदालसा के चाहने वाले यहां मदालसा की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. फैंस के साथ-साथ तमाम यूजर्स फोटोज को ताबड़तोड़ लाइक कर रहे हैं. वहीं, कमेंट्स का सिलसिला भी लगातार जारी है.

अजय देवगन का धांसू लुक आया सामने रिलीज किया नया पोस्टर

क्या हमें हमेशा वही देखना चाहिए जो हम देखते हैं? यदि आप भी इस प्रश्न पर अक्सर ये सोचते हैं, तो अजय देवगन की नई फिल्म की अपडेट आपको इस बारे में सोचने पर मजबूर करेगी। एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म दृश्यम 2 के बारे में एक अपडेट शेयर किया है। अजय देवगन ने अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने लुक का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। अजय देवगन ने 2015 के दृश्यम में विजय सलगांवकर की भूमिका निभाई थी। वहीं अजय अब इसके सीक्वल में अपनी भूमिका दोहराएंगे। अजय देवगन ने जो पिक्स शेयर की है, उसमें एक्टर देवगन एक हाथ में फावड़ा लिए काफी इंटेंस नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन दिया सवाल ये नहीं की आपकी आंखों के सामने क्या है, सवाल ये है कि कि आप देख क्या रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म की रिलीज की तारीख को इसमें जोड़ा है, दृश्यम 2, 18 नवंबर, 2022 को ओपन । 2015 और 2022 की दृश्यम फिल्में मोहनलाल की हिट मलयालम फिल्मों की हिंदी रीमेक हैं। पहले भाग में विजय सालगांवकर की बेटी को गलती से एक पुलिस अधिकारी (तब्बू) के विलेन बेटे को मारते हुए दिखाया गया है। विजय बेटी को बचाने के लिए एक नकली कहानी सुनाकर और अपने दावे का सपोर्ट करने के लिए कुछ सबूत पेश करता है। ये सबूत उसने बड़ी चालाकी से तैयार किए हैं। यदि आपको दृश्यम की कहानी याद नहीं आरही है, तो इस रिकॉल टीजर पर एक निगाह डाल सकते हैं। इसे शेयर करते हुए, अजय देवगन ने लिखा- विजय और उसके परिवार की कहानी तो याद होगी ना आपको? की याद दिलाए। इसके सीक्वल में अक्षय खन्ना दृश्यम के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन और इशिता दत्ता भी हैं।

जॉन अब्राहम ने खत्म की तेहरान की शूटिंग

बॉलीवुड एक्शन स्टार जॉन अब्राहम ने अपनी आगामी भू-राजनीतिक थ्रिलर तेहरान की शूटिंग पूरी कर ली है। रैप की घोषणा करने के लिए निर्माताओं ने एक दिलचस्प वीडियो जारी किया है। वीडियो में तेहरान के मुख्य कलाकारों और क्रू को आखिरी बार ताली बजाते हुए देखा जा सकता है क्योंकि यह शूटिंग का अंतिम चरण है। जहां वीडियो में जॉन रॉ लुक और इंटेंस अवतार में हैं, वहीं मानुषी एक फ्रेश और अलग लुक में हैं। तेहरान सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है। जैसा कि उन्होंने पहले कहा था, यह परियोजना अभिनेत्री के लिए सीखने का एक बेहतरीन अनुभव साबित हो रही है। बेक माई केक फिल्म्स के सहयोग से एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन, तेहरान अरुण गोपालन द्वारा निर्देशित है, जिसे रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है, जिसे दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेल द्वारा निर्मित किया गया है।

नवंबर में रिलीज होगी ऐश्वर्या राजेश स्टारर ड्राइवर जमुना

निर्देशक पी. किंसलिन की बेसब्री से प्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर, ड्राइवर जमुना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, इस साल नवंबर में रिलीज होगी। दशहरा के अवसर पर घोषणा करने के लिए ट्विटर पर अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने कहा, आखिरकार, हम नवंबर में आ रहे हैं! ड्राइवर जमुना नवंबर से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है!

अभिनेत्री ने इस घोषणा के साथ एक पोस्टर भी साझा किया कि फिल्म नवंबर में रिलीज होगी। ऐसा लगता है कि ऐश्वर्या राजेश, जो रूढ़िवादिता को तोड़ने के लिए जानी जाती हैं, ने इस फिल्म में एक और भूमिका निभाई है जो एक अभिनेत्री के लिए पहली बार हो सकती है। वह किन्सलिन द्वारा निर्देशित ड्राइवर जमुना में एक कैब ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं, जिसकी पिछली फिल्म वथिकुची बॉक्स ऑफिस पर समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थी। कहानी एक विशेष यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म, जिसमें गोकुल बेनॉय की छायांकन है, में घिबरन का संगीत और रामर द्वारा संपादन है।

मशरूम से घर पर बनाएं ये चार आसान और जायकेदार व्यंजन, ये है रेसिपी

मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। साथ ही मशरूम में कई महत्वपूर्ण खनिज और विटामिन भी पाएं जाते हैं। इसके अलावा, मशरूम में चोलिन नाम का एक खास पोषक तत्व होता है, जो मांसपेशियों की सक्रियता और दिमाग की क्षमता के लिए बेहद फायदेमंद है। आज हम आपको घर पर ही मशरूम से बनाने वाले चार स्वादिष्ट व्यंजन की रेसिपी के बारे में बताएंगे।

मशरूम नान

इस रेसिपी के लिए सबसे पहले आप मैदा, पानी, नमक और चीनी को मिलाकर नान का आटा गूंथ लें और 20 मिनट तक छोड़ दें। अब स्टफिंग तैयार करने के लिए एक कढ़ाई में तेल गर्म करके प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसमें कटे हुए मशरूम, मैश किए हुए हरे मटर, नमक, गरम मसाला, पनीर और हरी धनिया डालकर पकाएं। अब आटे की गोली बनाकर बेल लें और ऊपर से स्टफिंग डालकर बेक कर लें।

मशरूम घी रोस्ट

सबसे पहले एक पैन में मशरूम को दही, हल्दी और नींबू के रस के साथ मिला लें। अब अलग से गैस पर सूखी लाल मिर्च, लौंग, मेथी दाना, काली मिर्च, धनियां और जीरा को पांच मिनट भून लें और फिर इसमें लहसुन और इमली का पेस्ट डालकर मिक्सी में पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद एक पैन में घी डालें और तैयार किए पेस्ट के साथ मैरीनेट किए हुए मशरूम डालकर अच्छी तरह पका लें और फिर गरमा गरम परोसें।

मशरूम टिक्का मसाला

इसे बनाने के लिए थोड़े से दही में हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, बेसन और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें और मैरीनेट किए हुए मशरूम तलें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर प्याज, जीरा, अदरक, लहसुन और टमाटर भूनें और फिर इसमें काजू, लाल मिर्च पाउडर, तेज पत्ते और नमक डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अब गैस पर इस पेस्ट को पका लें और फिर मशरूम डालकर थोड़ा और पकाएं।

मशरूम सूप

सबसे पहले एक बड़े सॉस पैन में मक्खन गरम करें और कटे हुए प्याज, लहसुन और अदरक को नरम होने तक पकाएं। अब इसमें कटे हुए मशरूम, थोड़ा सा आटा, पानी और सेलरी स्टिक डालकर मिश्रण को उबाल लें। अब मिश्रण में तेज पत्ते और काली मिर्च पाउडर डालें और इसे 10 मिनट तक उबालें। उबालने के बाद, तेज पत्ते निकालकर मिश्रण को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर सूप को दोबारा गरम करके परोसें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ को साकार करेंगे खिलाड़ी-महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव ।महापौर मती हेमा देशमुख ने आज स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दिग्विजय स्टेडियम में आयोजित 22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर मती हेमा देशमुख ने प्रदेश भर से आये प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नारा दिया है कि खेलबो, कूदबो, जीतबो और गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ इसे चरितार्थ करते हुए जहां एक ओर छत्तीसगढ़ ओलम्पियाड खेल के माध्यम से हर वर्ग हर उम्र व स्थानीय खेलों का समावेश कर सभी खिलाडियों की प्रतिभाओं को सामने ला रहें हैं।

वहीं प्रदेश के खेलों के संवर्धन एवं विकास के लिए हमेशा तत्पर हैं। सभी संभाग के प्रतिभागी खेल भावना से खेंलेगे तभी नवा छत्तीसगढ़ बनेगा। आप सभी संस्कारधानी में आये हैं, आप खेलों के साथ ही यहां की अच्छे संस्कार अपने जीवन में अवश्य उतारें। हॉकी की इस नर्सरी को यह उपाधि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद द्वारा दी गई है और सभी यहां के हॉकी प्रेम से भली-भांति परिचित भी हैं। इस अवसर पर महापौर ने सभी प्रतिभागी खिलाडियों को प्रतिज्ञा दिलाकर विधिवत प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। छत्तीसगढ़ राज्य गौ-सेवा आयोग के उपाध्यक्ष मन्ना यादव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा लगातार शिक्षा व खेल के क्षेत्र में क्रांति लाई गई है। जहां शिक्षा हर किसी के जीवन की सफलता की पूंजी है, वहीं खेल हमारे बौद्धिक व शारीरिक विकास में भी महत्वपूर्ण है। बच्चे अच्छा खेले उन्हें संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। आयोजन समिति की ओर से प्रतियोगिता का स्वागत उदबोधन व प्रतिवेदन संगठन सचिव व जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसरपर डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बालिकाओं एवं सर्वेश्वरदास नगर पालिका निगम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम स्कूल के बच्चों द्वारा छत्तीसगढ़ के पर्व एवं संस्कृति पर आधारित मोहक नृत्य-गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत संदस्य अंगेश्वर देशमुख, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग नगर निगम राजनांदगांव के चेयरमेन संतोष पिल्ले, पार्षद महेश साहू, एल्डरमैन राजा गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर खेमलाल वर्मा, एसडीएम राजनांदगांव अरूण वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव, अमित पटेल, संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह, सहायक संचालक आदित्य खरें, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी वाईडी साहू, सहायक संचालक क्रीड़ा अधिकारी दुर्ग मती कल्पना स्वामी, प्रभारी सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी मती उषा चटर्जी, सांई सेंटर के के राजेश्वर राव एवं अन्य जनप्रतिनिधि व खेल प्रेमी जनता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी मती उषा चटर्जी ने आभार प्रदर्शन किया। सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया । गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 22वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 20 अक्टूबर 2022 तक किया जाएगा। जिले में आयोजित प्रतियोगिता में 5 संभाग के 1 हजार 320 खिलाड़ी कुल 7 खेलों में शामिल होंगे।

खास खबर

जीपीएफ पासबुक का होगा ऑनलाइन संधारण

रायपुर। राज्य शासन के कोष, लेखा एवं पेंशन संचालनालय द्वारा प्रदेश के 29 कोषालयों के अंतर्गत 4296 आहरण-संवितरण अधिकारियों को दो माह में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के जी.पी.एफ पासबुक को अपडेट कर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों से जी.पी.एफ/जी.आई.एस./एफबी.एफ की एन्ट्री तथा पार्ट फइनल या अग्रिम आदि की निकासी की प्रविष्टियों को प्रमाणित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन नीलकंठ टीकाम ने विभाग के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों को इस संबंध में अपने-अपने संभाग के आहरण-संवितरण अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। कोष, लेखा एवं पेंशन विभाग द्वारा ऑनलाइन जी.पी.एफ संधारण के लिए एन.आई.सी. के माध्यम से सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है। इससे राज्य में 1 नवंबर 2004 के पहले नियुक्त और वर्तमान में कार्यरत 59 हजार 228 अधिकारियों-कर्मचारियों के पेंशन निर्धारण, जी.पी.एफ अग्रिम, पार्ट फइनल आदि के निराकरण में फयदा होगा।

नई पीढ़ी को वन और पर्यावरण के महत्व से कराया गया अवगत

जगदलपुर। भावी पीढ़ी को वन एवं पर्यावरण के महत्व से अवगत कराने के लिए स्कूली विद्यार्थियों को कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित कैलाश गुफ के निकट भ्रमण कराया गया। सोमवार को वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा कोलेंग क्षेत्र के बच्चों का भ्रमण कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित कैलाश गुफ के निकट कराया गया और वन पर्यावरण एवं वानिकि गतिविधियों का जीवंत परिचय देते हुए इनके महत्व को बताया गया। पारिस्थितिकी के लिए वन के महत्व को देखते हुए इनके संरक्षण के लिए भी जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के दुसरे पड़ाव में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर सेवानिवृत्त उप वन क्षेत्रपाल डी.बी. बराल एवं चित्रकोट उप वनमंडलाधिकारी मोहन नायक, बीट गार्ड हेमेन्द्र ठाकुर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी, ग्रामीण उपस्थित थे।

नीति आयोग की रिपोर्ट : देश के आकांक्षी जिलों में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का बेहतर परफॉर्मेंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के नीति आयोग की ओर से आकांक्षी जिलों को लेकर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी कड़ी में अगस्त 2022 के लिए जारी की गयी चौम्पियन ऑफचेंज डेल्टा रैंकिंग में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है। देश में घोषित 112 आकांक्षी जिलों में से ओवरऑल परफॉर्मेंस श्रेणी में शीर्ष पांच जिलों में छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में शामिल नारायणपुर जिला पांचवें स्थान पर है।

वहीं स्वास्थ्य और पोषण श्रेणी में नारायणपुर जिले का स्थान दूसरा है। इसी तरह शिक्षा श्रेणी के आधार पर जारी मासिक डेल्टा रैकिंग में नारायणपुर जिला चौथे स्थान पर है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीते पौने चार के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ में हुए इन प्रयासों को भारत सरकार ने भी कई बार सराहा है।

मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व से छत्तीसगढ़ लगातार हासिल कर रहा है उपलब्धियां

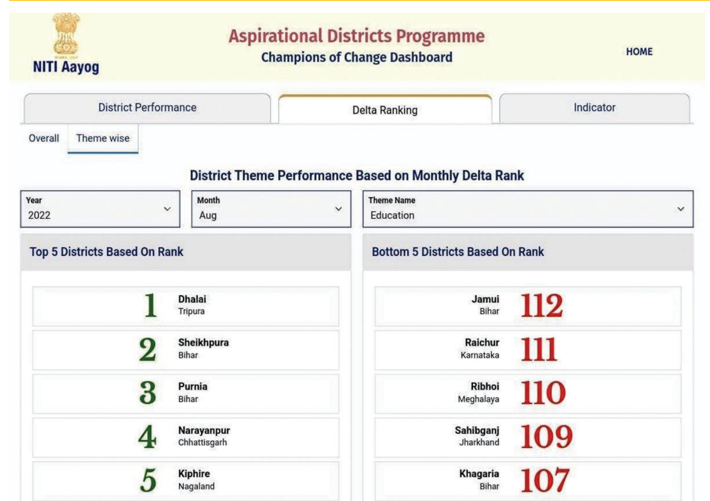

मुख्यमंत्री श्री बघेल का ही विजन था कि वंचित वर्ग के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके और वे भविष्य के अवसरों के लिए तैयार हो सकें। इसी संकल्पना को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट स्कूल शुरू किए गए हैं। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शुरू होने के बाद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे भी अब अंग्रेजी माध्यम में अपनी पढ़ाई कर रहे हैं और भविष्य संवारने में लगे हैं। अंग्रेजी माध्यम के साथ ही हिन्दी माध्यम में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल भी शुरू किए गए हैं। इसके अलावा आकांक्षी जिलों में संचालित प्राथमिक स्कूल के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली में भी शिक्षा दी जा रही है, जिससे वो अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़े रहें और पाठ्यक्रम के विषयों को आसानी से समझ सकें।

इसी तरह मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बच्चों में कुपोषण दूर करने और किशोरी बालिकाओं व महिलाओं को एनिमिया से मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान चलाया है। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से पोषण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम भी सामने आये हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, हमर लैब, मलेरिया मुक्त बस्तर और मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ योजना का संचालन करने के साथ ही छत्तीसगढ़ में लोगों को डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुंचाये जा रहे हैं।

समस्याओं को जानने महापौर हो रही रूबरू

श्रमिक बाहुल्य वार्डो में पानी निकासी की समस्या दूर होगीः शशि सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम के श्रमिक बाहुल्य रूआबांधा के तीनों वार्ड की समस्याओं को जानने महापौर शशि सिन्हा नागरिकों से रूबरू हुई। वार्ड में दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पानी निकासी का संसाधन नहीं होने की शिकायत को गंभीरता से लिया। नागरिकों को आश्वस्त किया कि त्यौहार के बाद समस्या का स्थाई रूप से निराकरण किया जाएगा।

वार्ड भ्रमण के दौरान महापौर शशि सिन्हा ने पहले नागरिकों से चैपाल लगाकर चर्चा की। नागरिकों के बताए हुए समस्या को देखने मौके तक पहुंची। महापौर गांधी चौक वार्ड 2 पहुंची। यहां पर पानी भरने की शिकायत थी। नाली का पानी निकासी का संसाधन नहीं होने की वजह से जमा हो रहा है। महापौर ने इस समस्या का स्थाई समाधान कर छोटी नाली को नाले में मिलाने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान पार्षद टीकम सिंह साहू, सारिका साहू, प्रेम साहू, ममता यादव, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, एल्डरमेन संध्या वर्मा, राजेन्द्र रजक, अनुपमा गोस्वामी आदि लोग उपस्थित थे।

रूआबांधा दक्षिण वार्ड 3 के नागरिकों ने जर्जर हो चुके शौचालय को तोड़ने और उसकी जगह सार्वजनिक शौचालय बनाने की मांग की। नागरिकों का कहना था कि वार्ड की सड़क भी जर्जर हो चुकी है। रूआबांधा पूर्व वार्ड 4 के नागरिकों ने भी महापौर को सड़क बनाने की मांग की।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भीलवाड़ा राजस्थान में 72 वीं राष्ट्रीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता के वेस्ट जोन क्षेत्रीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता जो की दिनांक 13 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2022 आयोजित की गई थी इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रथम स्थान में रही।

इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में भारतीय बास्केटबॉल संघ के कोविड महामारी के पश्चात बनाए हुए नियमानुसार संपूर्ण भारत को 4 जोन ईस्ट, वेस्ट,साउथ,नॉर्थ में बांटकर जोन वाइज राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 72 वीं मुख्य राष्ट्रीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता जो की दिसंबर में कर्नाटक में आयोजित होगी, इसमें इन सभी जोन से प्रथम 3 टीमें हिस्सा ले सकेंगी ।इसके अंतर्गत वेस्ट जोन राष्ट्रीय प्रतियोगिता मैं छत्तीसगढ़ के साथ-साथ गुजरात, महाराष्ट्र , राजस्थान, गोवा की टीमों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में सभी टीमों को आपस में मैच खेलना पड़ता है और सर्वोच्च अंक की सहायता से प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन कर पात्रता होगी ।भीलवाड़ा में आयोजित वेस्ट जोन में छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने अपने शानदार खेल और आपसी सामंजस्य का प्रदर्शन करते हुए पहला मैच गोवा को 105 -15 अंको से पराजित किया, इसके पश्चात लगातार छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश को 75-52 अंकों से पराजित किया । तीसरे मुकाबले में छत्तीसगढ़ राजस्थान से 94-83 पराजित हुई। चौथे मैच में गुजरात को 98 - 30 अंकों से पराजित किया और अपने अंतिम मैच में महाराष्ट्र जो कि पूरे प्रतियोगिता में एक भी मैच नहीं हारी थी उसे छत्तीसगढ़ में ऐसी 85 -53 अंकों से पराजित कर अंकों की तालिका में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

छत्तीसगढ़ की टीम इस प्रकार थी। विद्या (कप्तान), रूकसर अली, डी अनुषा, इशिका सिंह चारों बीएसपी भिलाई, डी कीर्ति, रितिका निषाद, ज्योति प्रजापति, तीनों भिलाई नगर निगम, रिया, डिंपल धोबी, आंचल यादव तीनों राजनांदगांव जिला, साक्षी भगत, सरगुजा जिला,एवं सानिया तिवारी रायपुर जिला, टीम के मुख्य प्रशिक्षक सरजीत चक्रवर्ती बीएसपी भिलाई से, सहायक प्रशिक्षक अंजू लकड़ा एस ई सी आर रेलवे बिलासपुर, एवं प्रबंधक श्रीशा थी। छत्तीसगढ़ बालिकाओं की इस उपलब्धि पर संपूर्ण छत्तीसगढ़ बास्केटबॉल संघ के पदाधिकारियों ने एवं शुभचिंतकों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान की।

रक्तदान महादान : एसके कोचिंग क्लासेस दुर्ग में रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस. के. कोचिंग क्लासेस, चंदखुरी एवं समाज सेवी संस्था श्री मानव सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वधान में रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर 2022 दिन रविवार को किया गया।

इस रक्तदान शिविर में कुल 45 यूनिट रक्त संकलित किया गया। मित्तल ब्लड बैंक के डॉ. अंजना शर्मा के कुशल निर्देश में उनकी टीम द्वारा रक्तदान शिविर सफ्लतापूर्वक संपन्न कराया गया एवं प्रत्येक रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एस. के. कोचिंग के संचालक सुरेंद्र देवांगन, ग्राम पंचायत चंदखुरी की सरपंच श्रीमती हेमलता देशमुख, सचिव सुश्री कामिनी चंद्राकर, असिस्टेंट प्रोफेसर मनोज कुमार यादव, संस्था के सहसंचालक जितेश देवांगन, नवीन साहू, श्री मानव सेवा फाउंडेशन के प्रमुख कीर्ति कुमार एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कौशल्या मातृत्व योजना अंतर्गत हितग्राहियों के खाते में पहुंचने लगी राशि

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा संचालित गरियाबंद जिले में ' 'कौशल्या मातृत्व योजना'' अंतर्गत कुल 53 महिला हितग्राहियों के बैंक खाते में 5 हजार रूपये की हस्तांतरित कर दी गई है। जिले से कुल 57 पात्र गर्भवती महिला हितग्राहियों की जानकारी लाभ दिलाये जाने हेतु राज्य को भेजा गया था। शेष 04 हितग्राहियों के बैंक खाते मे आ रही दिक्कतों को दूर कर उनके खाते मे भी 5 हजार रूपये हस्तांतरित कर दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि इस योजना के माध्यम से सामाजिक आर्थिक जनगणना में पात्र महिला हितग्राही के द्वितीय संतान बालिका के जन्म पर सहायता राशि प्रदान करना।

खास खबर

शारदा मंदिर में चोरी करने वाले तीन चोर पकड़ाए

बेमेतरा (ए)। प्रार्थी रमेश कुमार गुप्ता उम्र 47 साल साकिन वार्ड नं. 06 बीचपारा नवागढ थाना नवागढ जिला बेमेतरा ने थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी नवागढ के मातापारा के शरदा मंदिर का देखरेख एवं पूजा पाठ करता है। गत 11 अक्टूबर को वह प्रतिदिन की भांति शाम रात्रि 07 बजे पूजा कर मंदिर में ताला लगाकर अपने घर चला गया। और 12 अक्टूबर को प्रातः 06 बजे मंदिर में पूजा पाठ करने गया तो मंदिर के मुख्य गेट और मंदिर के अंदर का ताला टुटा हुआ था। दर लगे तीन नग पीतल का घंटा वजनी करीब 20 किलो किमती करीब 8000/- रूपये, सोने का एक नग नथनी किमती करीब 6000/- रूपये, एक नग सोने की बिंदिया वजनी करीब एक ग्राम किमती 2500/- रूपये, एक नग पीतल का बाल्टी, एक नग पितल का थाली, छोटा तांबा लोटा, कुल जुमला किमती करीबन 18,000/- रूपये को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना नवागढ में अपराध सदर धारा 457,380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था विवेचना के दौरान संदेही आरोपी सुभाष महिलांग, अभिषेक गायकवाड तथा बबलू उर्फ पुष्पराज खंडेलवाल से उक्त घटना के संबंध में पुछताछ करने पर अपना जुर्म करना स्वीकार किया। उक्त आरोपियों के कब्जे से चोरी की मशरुका (सोने की नथनी, घंटा, बर्तन, पूजा सामग्री इत्यादि) कीमती करीबन 17,000/- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल कीमती करीबन 70,000/- रूपये, जुमला कीमती करीबन 87,000/- रूपये बरामद किया गया।

ये हैं आरोपीः- सुभाष महिलांग पिता रामनाथ महिलांग उम्र 25 साल, अभिषेक गायकवाड पिता विजय गायकवाड उम्र 19 साल, बब्लू उर्फ पुष्पराज खंडेलवाल पिता इंदल दास उम्र 23 साल सभी साकिनान तिलकापारा नवागढ थाना नवागढ बेमेतरा है।

नक्सलियों के सप्लाई चेन पर अब तक सबसे बड़ी कार्रवाई, विस्फोटक के साथ पकड़ाया सप्लायर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर पुलिस नक्सलियों की सप्लाई चेन पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। यहां पर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। बीजापुर निवासी 25 वर्षीय युवक आंध्रप्रदेश से विस्फोटक लाकर बस्तर में नक्सलियों को सप्लाई करता था। घटना जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं धारा 8 (1),(3),(5), छ.ग. जनसुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार बस्तर पुलिस को सूचना मिली कि अंजान शख्स अवैध विस्फोटक सामग्री के साथ बस स्टैण्ड बास्तानार में मौजूद है। सूचना के बाद कोडेनार पुलिस की टीम ने बास्तानार बस स्टैण्ड शख्स को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मंगलू मडकामी निवासी भैरमगढ, जिला बीजापुर बताया। इन दिनों वह काकलुर, जिला बस्तर में रहता है। इसकी तलाशी लेने पर पुलिस भी हैरान रह गई। युवक के पास भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी मंगलू मडकामी ने बताया वह पिछले 1 साल से बडे काकलुर में रह रहा है। उसका भैरमगढ क्षेत्र के प्रतिबंधित माओवादी संगठन से सम्पर्क है। आरोपी मंगलू मडकामी पिछले माह मजदूरी करने आन्ध्र प्रदेश गया था जहा से विस्फोटक सामाग्री लाकर अपने पास रखा था। उक्त विस्फोटक सामान पहुंचाने के लिए यह बडे काकलुर से भैरमगढ, जिला बीजापुर जा रहा था।

सादी वर्दी में पुलिस जवान कर रहे बाजारों की निगरानी

भिलाई। शहर के बाजारों में उमड़ रही भीड़ को सुरक्षा देने पुलिस ने इंतजाम कर लिया है। सादी वर्दी में तैनात पुलिस के जवान बाजार में निगरानी कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी संदिग्ध तत्वों पर नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही सुपेला व पावरहाउस मार्केट में वाहन पार्किंग के लिए जगह का चिन्हांकन कर दिया गया है।

शहर के सभी प्रमुख बाजार में त्योहारी खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में इस भीड़ को असामाजिक तत्व अपना निशाना बना सकते हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने थानेदारों को अपने अपने क्षेत्र के बाजार में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने का निर्देश दिया है। थानों की पुलिस के कुछ जवान सादी वर्दी में बाजार आने जाने वालों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। संदिग्ध गतिविधि वाले लोगों से पुलिस पूछताछ करने में भी हिचक नहीं रही है।

गौरतलब रहे कि दीपावली का त्योहार 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इसके लिए लोग खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं। शाम के वक्त सुपेला के आकाशगंगा, लक्ष्मी मार्केट, उत्तर व दक्षिण गंगोत्री व पावरहाउस के जवाहर मार्केट और सर्कुलर मार्केट में खासी भीड़ उमड़ रही है।

भिलाई टाउनशिप के विभिन्न सेक्टर में स्थित मार्केट पर भी रौनक देखते बन रही है। बाजार आने वाले ग्राहकों में अनेक लोग अपने साथ मोटी रकम रखते हैं।

शॉर्ट सर्किट से होटल में भीषण लगी आग, लाखों की मिठाई खाक

रायगढ़ (ए)। दानीपारा में स्थित मुरारी होटल की मैनुफैक्चरिंग यूनिट में भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग को बड़ी मशक्कत के बाद बुझाई जा सकी। रिहायशी इलाके में घनी बस्ती के बीच स्थित भवन तक पहुंचने में दमकल कर्मियों को 25 मिनट लगे। यहां संकरी सड़क होने के कारण गाड़ियों का पहुंचना मुश्किल है। 200 मीटर की पाइपलाइन बिछाए जाने के बाद वहां पर आग बुझाई जा सकी। यहां रखी मिठाई, खाद्य सामग्री जलकर खाक हो गई।

रेस्टोरेंट संचालक पवन शर्मा ने बताया कि उनके गोदाम में 20 टिन तेल और घी रखा था। दिवाली के नजदीक होने के कारण बड़ी मात्रा में मिठाई और नमकीन तैयार कर रखे गए थे। शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद घी और तेल की वजह से आग फैली और बुझाने में दिक्कत हुई। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर सामान था। दूसरे तीसरे फ्लोर पर पैकिंग और दूसरे सामान थे। यह खाक हो गए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्मः प्रेग्नेंट होने पर युवक ने किया विवाह से मना तो कर ली खुदकुशी, आरोपी गिरफ्तार

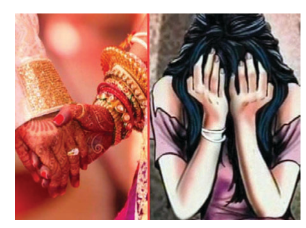

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म फिर प्रेग्नेंट लड़की को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने 17 साल की लड़की को प्यार में फंसा लिया। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की जब प्रेग्नेंट हुई, तब युवक ने उससे शादी करने से मना कर दिया और उससे बात करना भी बंद कर दिया, जिससे परेशान होकर लड़की ने खुद पर आग लगाकर जान दे दी थी। पूरा मामला तीन माह पहले सकरी थाना क्षेत्र का है, जिस पर जांच के बाद पुलिस ने अब कार्रवाई की है।

सकरी क्षेत्र की रहने वाली 18 वर्षीय लड़की ने बीते 20 जून को खुद पर मिट्टी तेल डालकर आग लगा ली थी। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सिम्स में भर्ती कराया, जहां उसकी स्थिति को देखकर डॉक्टरों ने उसे रायपुर रेफर कर दिया। पांच दिन तक उपचार के बाद लड़की की अस्पताल में मौत हो गई। इसके बाद रायपुर के गोलबाजार थाने में मर्ग कायम कर 10 अगस्त को केस को सकरी थाना भेजा गया।

लड़की ने अस्पताल में मौत से पहले डॉक्टर को बयान दिया था, जिसमें उसने बताया कि लाखासार निवासी रितिक मानिकपुरी से दो साल से उसकी दोस्ती थी। तब वह 16 साल की थी। इस दौरान युवक ने उससे प्यार करने और शादी करने का वादा किया था। इसके बाद उसने दुष्कर्म भी किया।

लड़की दो माह की गर्भवती हो गई थी। इसकी जानकारी उसने युवक को दी, उसने शादी करने से इंकार कर दिया और उससे बातचीत भी बंद कर दी। इससे परेशान होकर उसने यह आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद आरोपी रितिक मानिकपुरी फरार हो गया था।

सकरी पुलिस ने मर्ग डायरी थाना आने के बाद जांच शुरू की। जांच के दौरान लड़की के परिजनों का बयान दर्ज किया गया। लड़की की मौत के पहले बयान और परिजन के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी रितिक मानिकपुरी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में धारा 306 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

रेप और पाक्सो एक्ट का भी मामला जुड़ेगा

टीआई सागर पाठक ने बताया कि इस मामले में अभी जांच जारी है। प्रारंभिक जांच के बाद युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। जांच के बाद नाबालिग लड़की से रेप करने के आरोप में दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में पुलिस अभी साक्ष्य जुटा रही है।

रायपुर पुलिस लाइन में हवलदार की संदिग्ध मौत

बैरक की दूसरी मंजिल से नीचे गिरने की आवाज सुनकर साथियों ने देखा, जांच जारी

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस लाइन में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में पदस्थ एक हवलदार की संदिग्ध मौत हो गई है। बैरक से नीचे गिरने की आवाज सुनकर साथियों ने बाहर देखा तो हवलदार खून से लथपथ पड़ा था। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे। पुलिस जांच कर रही है।

बताया गया कि जशपुर निवासी विजय खलखो छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की दूसरी बटालियन में पदस्थ था। इस बटालियन की एक कंपनी पुलिस लाइन के बैरक ए' में है। सोमवार की रात बैरक में रह रहे पुलिस कर्मियों ने दूसरी मंजिल से किसी के गिरने की आवाज सुनी। आवाज सुनकर वहां पहुंचे तो विजय को गिरा पाया। वह खून से लथपथ हो चुका था।

तुरंत ही उसे अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। इस बीच घायल पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। वहां गिरने के निशान और खून मौजूद था। हवलदार के बैरक और सामान आदि की जांच की गई। अभी तक सुसाइडल नोट जैसा कुछ मिला नहीं है। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज बेटी मिलने आने वाली थी

बताया जा रहा है, हवलदार विजय खलखो की एक बेटी रायपुर में ही रहकर पढ़ाई करती है। विजय ने मंगलवार को उसे मिलने के लिए बुलाया था। बाप-बेटी की इस मुलाकात से पहले ही हवलदार की मौत हो गई।

जमीन विवाद में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष कलेक्ट्रेट के सामने दो भाईयों को जान से मारने की कोशिश

बिलासपुर। जमीन विवाद में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमकर बवाल हो गया। मामला इस कदर बिगड़ा के एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर बेसबॉल और चाकू से हमला कर दिया। जिससे घायल होकर दो भाई अस्पताल पहुंच गए हैं। मामला बिलासपुर कलेक्ट्रेट के सामने की है। सोमवार देर शाम एक पक्ष के भाईयों ने मिलकर बेसबॉल, बैट, रॉड से दो भाईयों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पेट और जांघ में चाकू मार दिया। घायल एक भाई को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरे मामले में सिविल लाइन पुलिस ने आरोपियों युवकों पर बलवा और जानलेवा हमला करने का केस दर्ज किया है।

गवाही देने के बाद किया जानलेवा हमला

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जरहाभाठा मेन रोड में रहने वाले शेख मोहम्मद कम्प्यूटर और फोटोकापी की दुकान चलाता है। शेख मोहम्मद और उसके भाई शेख खलील सहित अन्य भाइयों के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। उनका यह विवाद नजूल अधिकारी के न्यायालय में लंबित है, जिसकी सोमवार पेशी थी। केस में शेख शहजादा उर्फ सज्जू की गवाही होनी थी। कोर्ट में गवाही देने के बाद शाम करीब 5 बजे कलेक्ट्रेट के सामने शेख मोहम्मद, उसका भाई शेख शहजादा उर्फ सज्जू , शेख जलील और शेख मकसूद उर्फ बादशाह चाय पी रहे थे। उसी समय शेख खलील, शेख इब्राहिम, शेख इस्माइल, शेख इमरान, शेख इरफान, शेख आमिल, शेख आदिल और शेख अब्बास आ गए। दोनों भाईयों पर हमला कर दिया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी ठोकर, मौत

बालोद। एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इधर पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी बेसुध हो गई। पति राशन लेकर घर लौट रहा था तभी यह हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना बालोद जिला के डौंडीलोहारा मुख्य मार्ग पर ग्राम जुंगेरा पेट्रोल पंप के पास की है। दिवाली के ठीक एक सप्ताह पहले हुई घटना से ग्राम रेंघई के चंद्राकर परिवार में मातम पसर गया है।

चल रही थी घर में त्योहार की तैयारी

थानेश्वर के घर में दिवाली की तैयारी चल रही थी। पूरा परिवार घर की लिपाई-पोताई में जुटा था। सुबह से दोपहर तक सब कुछ ठीक था। दोपहर तीन बजे करीब खबर आई कि थानेश्वर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दिवाली की खुशी मातम में बदल गई। पति की मौत की खबर सुनकर उनकी पत्नी बेसुध हो गई। वहीं माता-पिता का भी रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक का एक छोटा बच्चा है, जो मानसिक रूप से दिव्यांग है। घर की पूरी जवाबदारी थानेश्वर के ऊपर ही थी।

छोटा भाई है घायल

पुलिस के मुताबिक घटना रविवार दोपहर तीन बजे की है। रेंघई निवासी थानेश्वर चंद्राकर पिता अर्जुन चंद्राकर (40) अपने छोटे भाई चंदन चंद्राकर (35) के साथ मोटरसाइकिल से घर में संचालित किराना दुकान व घर में दिवाली सामान खरीदने बालोद आया था। बालोद से घर लौटते समय जुंगेरा पहुंचे और पेट्रोल डलवाया। पेट्रोल पंप से निकलते ही डौंडीलोहारा मार्ग से आ रहे ट्रक सीजी 07 ए जेड 9927 के चपेट में आ गए। मोटरसाइकिल सीधे ट्रक के पहिए के नीचे आ गई, जिससे 40 वर्षीय थानेश्वर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। उसके शरीर पर ट्रक का पहिया आ गया था। वहीं उनके छोटे भाई चंदन का पैर टूट गया।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

त्योहार के समय मे यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने वोरा ने की अधिकारियों से चर्चा

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने दीवाली के दौरान मार्केट में बढ़ रही भीड़ एवं यातायात के दबाव को देखते हुए जिला प्रसाशन एवं निगम अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कह कि त्योहारी सीजन में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी जरूरी सुविधाएं चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए। वोरा ने कहा कि मार्केट में काफी भीड़ है। लोग दिवाली त्योहार मनाने खरीदारी करने मार्केट जा रहे हैं। सड़कों को दुरुस्त करने के साथ ही प्रकाश व्यवस्था को अविलंब बेहतर बनाया जाना चाहिए। वोरा ने कलेक्टर से चर्चा कर सभी विभागीय अधिकारियों को त्योहारी सीजन में व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश देने और इसकी मॉनिटरिंग स्वयं करने को कहा। वोरा ने कहा कि मार्केट में बड़ी तादाद में लोग खरीदारी करने जा रहे हैं। सड़कों पर जहां आवश्यक हो वहां पैचवर्क किया जाए ताकि लोगों को गड्?ढे के कारण परेशानी न हो। जीई रोड पर आधे हिस्से में प्रकाश व्यवस्था चालू नहीं हो पाई है। इसे भी तत्काल चालू किया जाए। नगर निगम की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था भी बेहतर रहे और बंद लाइटों को तत्काल चालू किया जाए। यातायात विभाग की चालानी कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि त्योहार के समय में चालान काटने की बजाय ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने पर ध्यान दे। उन्होंने दिन भर ट्रैफिक विभाग द्वारा प्रमुख सड़कों पर पेट्रोलिंग करते हुए बेतरतीबी से खड़े वाहनों को व्यवस्थित करने की अपील करने की पहल की सराहना की।

इंदिरा मार्केट में निगमायुक्त चंद्राकार ने अफसरों के साथ लिया व्यवस्था का जायजा

दुर्ग। नगर निगम शहर के ह्दय स्थल इंदिरा मार्केट दीपावली त्योहार खरीददारी को देखते हुए इंदिरा मार्केट क्षेत्र बाजार में बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए निगमायुक्त लोकेश चंद्राकर ने बाजार क्षेत्र, इंदिरा मार्केट तथा प्रस्तावित पार्किंग स्थल टीबी हॉस्पिटल, कस्तूरबा बाल मंदिर, महात्मा गांधी स्कूल का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने मोती काम्प्लेक्स, मान होटल लाइन समेत तक व्यवस्थाओं दुरुस्त करने निरीक्षण किया गया। आम नागरिकों को टीबी हॉस्पिटल के पास निर्धारित स्थल पर वाहन पार्किंग कराने, सड़क पर समान फैलाकर व्यवसाय नही करने के लिए समझाइस दी एवं ठेला, पसरा गुमटी लगाकर बेचने वालों को व्यवस्थित तरीके दुकान लगाकर व्यवसाय करने के लिए कहा। बाजारो में आम जनताओं को खरीददारी के लिए आवागमन में समस्या न हो सकें, नगर निगम अंतर्गत बाजार क्षेत्र त्योहारों को लेकर बाज़ारो में ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए निगम अमला सक्रिय है।

महिला उद्यमिता प्रदर्शनी में स्व निर्मित उत्पादों ने लोगों को किया आकर्षित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की दुर्ग जिला महिला इकाई द्वारा आयोजित महिला उद्यमिता प्रदर्शनी में जिलेभर की महिलाएं अपने स्व निर्मित उत्पादों की श्रृंखला लेकर उत्साह के साथ जुटी। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से फरिश्ता कॉम्पलेक्स सेंटर सिटी माल में आयोजित प्रदर्शनी में स्व निर्मित विभिन्न घरेलू उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहे। जिसकी खरीदी के लिए लोगों ने बढ़ चढ़कर उत्साह दिखाया, वहीं छत्तीसगढ़ी व्यंजनो का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी में शामिल होकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया।

खुर्सीपार क्षेत्र में बिछेगा सड़को का जाल, 5 करोड़ की लागत से हो रहा विभिन्न सड़को का निर्माण

दीपावली के बाद होगा डामरीकरण 1 करोड़ की राशि है स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से खुर्सीपार क्षेत्र की सड़कों का निर्माण हो रहा है। एक बार फिर खुर्सीपार के वार्ड वासियों को भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने एक और बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। दीपावली के शुभ अवसर पर क्षेत्र वासियों को गिफ्ट के रूप में विधायक देवेंद्र यादव सड़कों की सौगात देने वाले है।

जानिए कौन कौन सी सड़को का हो रहा निर्माण

वार्ड 49 में के.एल.सी. कॉलोनी सड़क नं 3, के.एल.सी. कॉलोनी सडक नं 4,के.एल.सी. कॉलोनी सडक नं 5, के.एल.सी. कॉलोनी सड़क नं 6, के.एल.सी. कॉलोनी सडक नं 7, गौतम नगर गली नं. 6, शास्त्री नगर सडक नं. ए.वी.सी.,शास्त्री नगर सडक नं. 38, शास्त्री नगर सडक नं. 37 शास्त्री नगर सडक नं. 36, छावनी शंकर नगर आई.टी.आई मैदान, ल आई.टी.आई. रोड से नंदनी रोड,बालाजी नगर सडक नं. 49, बालाजी नगर सडक नं. 50, बालाजी नगर सड़क नं. 51,बालाजी नगर सडक नं. 52, बालाजी नगर सडक नं. ए.वी.डी.,बालाजी नगर सड़क नं. 54 को बनाया जाएगा। इनके साथ ही जोन 4 अंतर्गत विभिन्न सड़को का डामरीकरण 1 करोड़ की राशि से किया जाएगा।

खुर्सीपार क्षेत्र के करीब 18 प्रमुख सड़कों का निर्माण किया जा रहा है । एक तरह से पूरे खुर्सीपार क्षेत्र की सड़कों की जाल बिछाई जाएगी। इसके लिए विधायक श्री यादव ने पहल कर करके राज्य शासन ने 5 करोड़ रुपए से कार्य हो रहे है । गौरतलब है कि देवेंद्र यादव लगातार वार्ड दौरा कर लोगों से भेंट मुलाकात कर रहे हैं। बीते करीब 2 माह से भेंट मुलाकात का दौर लगातार जारी है। इस मुलाकात के दौरान भिलाई नगर विधायक श्री यादव वार्ड के नागरिकों से घर घर जाकर भेंट मुलाकात करते हैं और उनका हालचाल जानते हैं। लोगोंकी समस्याओं का निदान करते है।बार बार सड़क की समस्या रही थी। पूरे क्षेत्र का सर्वे किये तो यह निकल के सामने आया की खुर्सीपार क्षेत्र की करीब 18 प्रमुख सड़के हैं जो जर्जर स्थिति में थी।

जिसका खामियाजा लोग वर्षों से भुगतते रहे, लेकिन अब भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से खुर्सीपार की सभी सड़कों को पूरी तरह से मजबूत और नया बनाया जाएगा ताकि लोगों को आवागमन में किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो इसके लिए नगर विधायक ने प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था शासन ने सभी सड़कों के निर्माण कार्य के लिए सीधे एक साथ 5 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है ताकि पूरी सड़कें एक साथ बने और पूरे खुर्सीपार क्षेत्र का विकास हो सके और क्षेत्र की नागरिकों को बड़ी सुविधाएं मिल सके।

दुर्ग, भिलाई नगर व छावनी को मिले नए सीएसपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के दुर्ग, भिलाई नगर व छावनी क्षेत्र के नवपदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) ने पदभार ग्रहण कर लिया। कुछ दिन पहले ही ज़िले के राजपत्रित अधिकारियों का तबादला आदेश जारी हुआ था। जिसमे दुर्ग, छावनी और भिलाई नगर सीएसपी का भी तबादला हुआ था। इनकी जगह तीन आईपीएस अधिकारियों को नियुक्त किया गया था जिन्होंने सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इन अफसरों में आईपीएस अशोक रखेचा, प्रभात कुमार व वैंकर वैभव शामिल हैं।

2019 बैच के आईपीएस निखिल अशोक रखेचा अब तक महासमुंद में पदस्थ थे। उन्होंने भिलाई नगर सीएसपी का कार्यभार संभाला है। इसी प्रकार 2020 बैच के आईपीएस प्रभात कुमार छावनी सीएसपी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अब तक वे रायगढ़ जिले में पदस्थ थे। इसके अलावा 2020 बैच के आईपीएस वैंकर बैभव रमनलाल दुर्ग सीएसपी का पदभार संभाला है। इससे पहले वे दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना व पद्मनाभपुर चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। तीनों अफसरों से पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दी।

खुशियों की दीपावली

सांसद सरोज ने कहा बाजार आकर करें खरीदारी ताकि सभी की दीपावली हो खुशहाल

श्रीकंचनपथ के अभियान में हुई शामिल, इंदिरा मार्केट से पसरावालों से खरीदा सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्यसभा सांसद डॉ सरोज पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभियान स्वदेशी दीपावली को आगे बढ़ाते हुए जनता को अपने शहर के बाजारों से सामान खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि त्यौहार एकदूसरे की जिंदगी से जुड़े होते हैं और एकदूसरे के सहयोग से ही सभी के घर खुशियां आती है।

श्रीकंचनपथ की ओर से चलाए जा रहे अभियान खुशियों की दीपावली में शामिल होकर उन्होंने दुर्ग के इंदिरा मार्केट से खरीदारी भी की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शॉपिंग की बजाए हम सभी बाजार में जाकर खरीदारी करेंगे तो सभी के जीवन में खुशहाली आएगी और यह दीपावली सभी के लिए खुशियों भरी होगी। इस मौके पर उनके साथ पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, उषा टावरी, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष नितेश साहू, दीपक चोपड़ा सहित कई लोग मौजूद थे।

जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के साथ जन समर्पण सेवा मनाएगी खुशियों की दीपावली सप्ताह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दीपों के त्योहार को दीपावली के नाम से अधिक जाना जाता है। फिर दीपावली जैसे त्योहारों पर हम अपने करीबी और प्यारे लोगों को कुछ नए कपड़े उपहार में देते थे। खासकर हमारे बच्चे के लिए और यह एक परंपरा है। लेकिन ऐसे कई बच्चे हैं, जो अनाथ है और एकल माता-पिता हैं जो उन्हें नए कपड़े नहीं दे सकते क्योंकि वे दूसरों के घरों में थोड़े से वेतन के साथ काम करते है या नौकरानी का काम कर रहे है, ऐसे गरीब बच्चों बुजुर्गों एवं महिलाओं को जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग ने घरों में दीपावली के दौरान नए कपड़े, फटाखे और मिष्ठान, नमकीन उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

इस वर्ष सभी के सहयोग से संस्था ने लगभग 500 से अधिक बच्चे, बुजुर्ग एवं महिलाओं को नए कपड़े और दिवाली की मिठाई एवं नमकीन देने की योजना बनाई है। संस्था का यह दीपावली पर्व कमजोर बच्चों एवं कमजोर परिवार में खुशियां फैलाएगा। समाजवादी विचारधारा का जन्म ही समाज के निराश्रित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी वह सुख सुविधाएँ पहुंचाने के लिए हुआ है, जिनसे अभी तक वह अछूता रहा है। एक सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता का एकमात्र धर्म मानवता व सेवा होता है। इन्ही बातों को आत्मसात करते हुए जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग जोकि विगत 5 वर्ष 10 माह से बिना रुके प्रतिदिन दुर्ग रेल्वे स्टेशन एवं अन्य स्थानों में अस्थाई रुप से निवासरत मजदूर, असहाय, महिलाएं, बच्चों, विकलांग जनों को रात्रि में नि:शुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है, इसके साथ साथ विगत 6 वर्षों से संस्था के सभी युवा सदस्य सभी पर्व एवं त्योहारों में जरूरतमंदों की हर संभव मदद करते आ रहे है संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि संस्था द्वारा विगत 6 वर्षों से दीपावली पर्व पर हर जरूरतमंदों तक मिठाई, नये कपड़े, फटाखे वितरण करती आ रही है, इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष संस्था द्वारा जरूरतमंदों की खुशियों की दीपावली सप्ताह मनाया जा रहा है जिसमें दिनाँक 19 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में जाकर बच्चे, बुजुर्गों, महिलाओं को दीपावली पर्व को धूमधाम से मनाने हेतु नये कपडे, मिठाई, नमकीन, फटाखे, साबुन, निरमा, एवं अन्य जरूरत की सामग्री वितरण की जावेगी..

संस्था द्वारा सभी के सहयोग से दीपावली पर्व के पूर्व दिनांक:- 19 अक्टूबर को मंदबुद्धि स्नेह स्कूल, दुर्ग, एवं दुर्ग वृद्धाआश्रम में निवासरत बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को साड़ी, कुर्ता पैजामा, नए कपडे, पटाखे, मिष्ठान, नमकीन, कॉपी, पेन, चॉकलेट, साबुन, निरमा, पेस्ट, एवं अन्य जरूरत की समाग्री वितरण किया जावेगा, दिनाँक 20 अक्टूबर को :- अनाथ महिला हॉस्पिटल, दुर्ग में सभी महिलाओं को साड़ी, मिष्ठान, नमकीन, साबुन, निरमा, तेल पेस्ट, का वितरण.. दिनांक:- 21 अक्टूबर को भिलाई के वृद्धाआश्रम एवं अनाथालय में हर जरूरतमंदों को मिष्ठान, नमकीन, साबुन, निरमा, तेल पेस्ट, का वितरण किया जाएगा।

सांसद सरोज पाण्डेय का सरकार पर वार, कहा-

ईडी ने खोली भ्रष्टाचार की पोल, अब चुप क्यों है छत्तीसगढ़ सरकार

दुर्ग।ईडी के छापो के बाद जारी प्रेस नोट ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। राज्यसभा सांसद सरोज पाण्ड़ेय ने दुर्ग में प्रेसवार्ता लेकर छत्तीसगढ़ सरकार पर जमकर हमला किया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश सरकार जिन अफसरों की पैरवी कर रही है उनके पास से आय से अधिक अवैध संपत्ती मिली है। इसके बाद भी सरकार उनकी तरफदारी कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके है। भाजपा नकद ज्वेलरी और भ्रष्टाचार के सारे सबूत मिलने के बाद भी कांग्रेस द्वारा अधिकारियो की पैरवी छत्तीसगढ़ के इतिहास का काला अध्याय है। सांसद सरोज पाण्डेय ने कहा कि ईडी के प्रेस नोट ने छत्तीसगढ़ में हो रहे बड़े भ्रष्टाचार के रैकेट की पोल खोल दी है। कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ के आदिवासियों, का किसानों का आम जनता का मेहनत का पैसा, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में ईडी रेड पर सीएम बघेल के बयान पर दुर्ग सांसद, बोले-

कैसे देंगें बढ़ा हुआ डीए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में कार्रवाई के बाद ईडी द्वारा जारी प्रेसनोट लेकर भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेरना शुरू कर दिया है। दोपहर को दुर्ग में सांसद सरोज पाण्डेय ने प्रेस वर्ता लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। दोपहर बाद भिलाई के एक होटल में दुर्ग सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय व वैशाली नगर विधायक विद्यारतन भसीन ने सीएम बघेल के खिलाफ मोर्चा खोला।

प्रेसवार्ता के दौरान सांसद विजय बघेल ने कहा सरकार के पास वेतन देने के लिए पैसा नहीं है। भिलाई में महापौर बैठक कर कर्मचारियों का वेतन संचित निधि से करने का निर्णय लिया है। अरबों रुपए का राजस्व पाने वाले भिलाई निगम में कर्मचारियों को देने के लिए पैसा नहीं है और इनके अफसरों के घरों से करोड़ों रुपए निकल रहे हैं। सांसद बघेल ने डीए को लेकर भी सरकार की खिंचाई की है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी लंबे समय से केन्द्र के समान डीए देने की मांग करते रहे लेकिन प्रदेश सरकार ने इस पर निर्णय नहीं लिया।

उन्होंने कहा दीपावली को सात दिन बचा है और मुख्यमंत्री ने पांच प्रतिशत डीए बढ़ाने का ऐलान किया है। इतने कम समय में कर्मचारयों को यह कहां से पैसा लाकर देंगे। फिर से हजारों करोड़ का कर्जा करेंगे। सांसद ने बेरोजगारी पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि सरकार देशभर में सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य बता रही है और चपरासी के पोस्ट के लिए भी दो लाख आवेदन आए। प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में हजारों सीट खाली है।

निगमायुक्त रोहित व्यास ने ली समीक्षा बैठक

टैक्स वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश, टैक्स नहीं देने वाले बकायेदारों पर होगी कुर्की की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने समस्त प्रकार के टैक्स में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने जोन आयुक्तों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्पैरो से समन्वय बनाकर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करें। बकायेदारों की सूची तैयार करें और टैक्स नहीं देने वाले लोगों पर निगम अधिनियम के तहत कार्रवाई करें।

जिन बकायेदारों को कुर्की वारंट जारी किया गया है अब जोन आयुक्त इन बकायेदारों पर कुर्की की कार्रवाई करेंगे और इस माध्यम से टैक्स की वसूली की जाएगी, इसके लिए राजस्व विभाग की टीम को भी बैठक में निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने एरिया में स्पैरो से समन्वय कर शत प्रतिशत वसूली करे।

टैक्स वसूली को लेकर आयुक्त ने गहन समीक्षा की, उन्होंने संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर वसूली, शिक्षा उपकर, निर्यात कर वसूली, मोबाइल टावर के माध्यम से वसूली एवं दुकान किराए के माध्यम से होने वाली वसूली पर बारीकी से समीक्षा की। कम टैक्स वसूली को लेकर उन्होंने बैठक में नाराजगी जाहिर की। निगमायुक्त ने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने कार्यालयीन समय का विशेष ध्यान रखें। लेट, लतीफ आने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही होगी, इसके लिए उन्होंने निष्ठा एप की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डाक की फाइलें जिन्हें संबंधित विभाग में प्रेषित किया जाता है उन्हें अनावश्यक रूप से पेंडिंग न रखें, फाइल या पत्र मिलते ही उस पर उचित निर्णय लेते हुए शीघ्र कार्यवाही करे अन्यथा जिमेदारी तय की जाएगी।

आयुक्त ने स्थापना शाखा की पूरी जानकारी ली अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित प्रकरण तथा लंबित प्रकरणों पर समीक्षा की। इसके अलावा भवन अनुज्ञा शाखा से संबंधित कॉलोनी नियमितीकरण, बिल्डिंग परमिशन, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली की प्रगति तथा वैध और अवैध कॉलोनी के बारे में विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी एवं बीके देवांगन, उपायुक्त रमाकांत साहू एवं नरेंद्र बंजारे, समस्त जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, विभाग प्रमुख तथा नोडल अधिकारी आदि मौजूद रहे।

दीपावली के पहले मिलकर बांटी त्यौहार की खुशियां

डोनेट थोड़ा सा और ल्यासा फाउंडेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर की संस्था डोनेट थोड़ा सा और ल्यासा फाऊंडेशन ने खुशियों की दीपावली मनाई। वे पिछले 8 वर्षो से आंगनबाड़ी के बच्चो के साथ खुशियों की दिवाली मनाते आ रहे हैं। 30 बच्चों के साथ शुरू किए गए इस दीपावली सेलिब्रेशन में सोमवार को 400 सौ बच्चों के संग दीपावली की खुशियां बांटी। डोनेट थोड़ा सा के संस्थापक अभिजीत पारख ने बताया कि संस्था ने 30 आंगनबाड़ी को गोद लिया है उन आंगनबाड़ी के सभी बच्चो के साथ जन्मदिन हो या कोई त्यौहार मिल जुल कर एक साथ मानते है। ताकि उन बच्चो को भी वो खुशी मिले जो हम अपने घर के बच्चो को देना चाहते है। साथ ही उनको शिक्षा के लिए भी प्रेरित किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि ये कार्यक्रम अकेले नहीं दुर्ग भिलाई या कहे तो छत्तीसगढ़ के बहुत सारे एनजीओ और समाज के सहयोग के साथ मानते हैं। जिसमें रेड ड्रॉप छत्तीसगढ़, गगन फाऊंडेशन, नव दृष्टि फाऊंडेशन, सेवक जन फाऊंडेशन जुड़ी हुई है।

खेले गेम और हुए कई आयोजन

दुर्ग के ऋषभ कॉम्पेक्स में हुए इस आयोजन में बच्चों के लिए कई फनी गेम के साथ ही ड्राइंग, गायन, रंगोली, मॉडलिंग जैसी कई प्रतियोगिताएं भी रखी गई। आयोजकों ने बताया कि बच्चों को पहले ही नया ड्रेस दे दिया जाता है ताकि वे दिवाली खुशियों के साथ मनाए, उनके लिए भोजन की व्यवस्था भी संस्था के द्वारा की गई थी। साथ ही उन्हें किताबें एवम पढ़ाई के सामान, पटाखे, मिठाई, नमकीन, खिलौने आदि खुशियों की झोली घर जाते वक्त दी गई। इस मौके पर ल्यासा संस्था से सुषमा श्री, खुशी जैन, रुपल गुप्ता, विकास जायसवाल, पलक गुप्ता, सहित कई लोग मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950